मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 13 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 9 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 123 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 अमीरी दे गरीब को त्रास

राजामौली की अगली फिल्म में काम करेंगी प्रियंका चोपड़ा 6

बरकाकाना स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

शक्तिपुंज एक्सप्रेस से 40 लाख का गांजा बरामद

मेट्रो रेज

रामगढ़: बरकाकाना जंक्शन पर आरपीएफ ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आरपीएफ की टीम ने शक्ति पुंज एक्सप्रेस की रूटीन चेकिंग के दौरान बरकाकाना रेलवे स्टेशन पर एक तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर के पास से 79.7 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 39 लाख 85 हजार रुपये बताई जा रही है।

गंध आने से पुलिस को हुआ शक : बताया जा रहा है कि शक्ति पुंज एक्सप्रेस बरकाकाना जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर पहुंची थी। रूटीन चेकिंग के दौरान फ्लाइंग टीम ने एक संदिग्ध आदमी को पुराने कपड़ों का गठरी लेकर जनरल कोच में चढ़ते देखा। जैसे ही पुलिस टीम गठरी के पास पहुंची, कुछ अजीब सा गंध आ रही थी। इसके बाद टीम व्यक्ति के पास आने लगी, यह देख उक्त यात्री भागने लगा। हालांकि टीम ने उसे मौके पर पकड़ लिया और बोगी से गठरी को भी उतार लिया।

मध्य प्रदेश का रहने वाला है आरोपी : आरपीएफ के उप निरीक्षक केपी मीणा ने बताया कि आरक्षी कपिल देव यादव और महेश यादव ट्रेन और प्लेटफार्म का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफार्म चार पर ट्रेन संख्या 11447 शक्तिपुंज एक्सप्रेस पहुंची। जांच के क्रम में आरपीएफ दल की नजर जनरल बोगी में एक संदिग्ध युवक पर पड़ी, जो पुराने कपड़े की गठरी में रखा सामान ट्रेन में चढ़ा रहा था।

जब आरपीएफ कर्मी उसकी ओर बढ़े, तो वह युवक घबराकर भागने लगा। तत्परता दिखाते हुए आरपीएफ ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में युवक की पहचान जिलोन, निवासी कटनी, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। गठरी के बारे में पूछे जाने पर युवक ने गांजा होने की बात स्वीकार की।

इसके बाद आरपीएफ सहायक सुरक्षा आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव, पतरातू निरीक्षक अजय कुमार सिंह और उप निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह की उपस्थिति में गठरी को खोला गया। जिसमें कुल 79.700 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी को बरामद गांजे के साथ जीआरपी थाने को सौंप दिया गया। जीआरपी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया और गिरफ्तार अभियुक्त जिलोन को जेल भेज दिया गया है।

घाटशिला में जेएलकेएम नेता की हत्या, सीएससी के अंदर घुसकर मारी गई गोली

पूर्वी सिंहभूमः घाटशिला में दो अज्ञात आरोपियों ने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) कार्यकर्ता तारापद महतो (41 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना सोमवार की शाम करीब 8 बजे घाटशिला अनुमंडल अंतर्गत गालूडीह थाना क्षेत्र के खड़िया कॉलोनी गांव के पास हुई है। तारापद महतो, उल्दा पंचायत की उपमुखिया आशा रानी महतो के पति हैं।

परिजनों ने पंचनामा करने से रोका : घटना के बाद पुतडू गांव के रहने वाले पीड़ित परिजन मौके पर पहुंचे। जहां इस घटना से आक्रोशित लोगों ने पुलिस को शव का पंचनामा करने से रोक दिया। परिजनों का कहना है कि पुलिस पहले हत्यारोपियों को गिरफ्तार करे फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने दिया जाएगा।

सीएससी के अंदर घुसकर मारी गई गोली : घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। तारापद महतो बैंक ऑफ बड़ौदा की सीएससी चलाते थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तारापद महतो एनएच-18 के किनारे अपनी सीएससी में मौजूद थे। मकर संक्रांति नजदीक होने की वजह से सीएससी में पैसा निकालने वालों की काफी भीड़ थी। तभी बाइक पर सवार दो युवक आए, जिसमें से एक युवक बाइक पर बैठे रहा और दूसरे ने सीएससी के अंदर घुसकर तारापद महतो पर सामने से गोली चला दी। तारापद महतो गोली लगते ही जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

कुत्तों के काटने पर मुआवजा देना होगा, डॉग लवर्स की जिम्मेदारी होगी तयः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : कुत्तों के काटने पर मौत या चोट के लिए मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा, डॉग लवर्स की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणियां की। अदालत ने कहा कि वह कुत्तों के काटने पर मौत या चोट के लिए राज्य सरकारों पर मुआवजा तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मामले में सुनवाई के दौरान आवारा कुत्तों को खुले में खाना खिलाने वालों के रवैये पर सवाल खड़ा किए। कोर्ट ने कहा कि क्या उनके जज्बात सिर्फ कुतों के लिए है , इंसान के लिए नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि अगर किसी आवारा कुत्ते के हमले में नौ साल के बच्चे की मौत हो जाती है, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों में पाए जाने वाले वायरस का जिक्र किया और कहा, जब बाघ आवारा कुत्तों पर हमला करके खाते हैं, उन्हें डिस्टेंपर की बीमारी हो जाती है और आखिरकार वे मर जाते हैं।

सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने दलील दी कि इस मामले को कुत्ते बनाम इंसान के मुद्दे के तौर पर नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे जानवर बनाम इंसान का मुद्दा देखना चाहिए। पिछले साल सांप के काटने से 50 हजार लोगों की मौत हुई थी। बंदरों के काटने के मामले भी होते हैं। चूहे कंट्रोल करने के लिए भी कुत्ते जरूरी हैं। इसलिए इकोसिस्टम को बैलेंस करना होगा।

मेनका गुरुस्वामी ने तर्क दिया कि आवारा कुत्तों को मारने से उनकी आबादी कम नहीं होगी, और नसबंदी ही एकमात्र प्रभावी समाधान है। उन्होंने कहा कि अगर रेगुलेटर ने अपना काम ठीक से किया होता, तो आज हम इस स्थिति का सामना नहीं कर रहे होते। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कोर्ट की कार्यवाही के बजाय एक पब्लिक प्लेटफॉर्म बन गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हर कुत्ते के काटने और हर मौत पर हम राज्यों पर जरूरी इंतजाम न करने के लिए भारी मुआवजा तय करेंगे। कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर भी जिम्मेदारी तय करेंगे। आप उन्हें अपने घर ले जाएं और वहां रखें। उन्हें घूमने, काटने, पीछा करने की इजाजत क्यों दी जानी चाहिए? कुत्ते के काटने का असर जिंदगी भर रहता है।

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या

नई दिल्ली : बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या हुई है। यह घटना फेनी जिले के डागनभुइयां उपजिले में हुई, जहां भीड़ ने हिंदू समीर दास को मार डाला। 27 साल के ऑटो-रिक्शा ड्राइवर समीर दास का शव जगतपुर गांव के एक खेत से बरामद किया गया है। परिवार के सदस्यों और पुलिस के हवाले से, बांग्लादेश के बंगाली अखबार डेली मनोबकंठा ने बताया कि समीर रविवार शाम को अपने ऑटो-रिक्शा से घर से निकला था। जब वह देर रात तक घर नहीं लौटा, तो उसके रिश्तेदारों ने अलग-अलग जगहों पर उसकी तलाश शुरू की। बाद में स्थानीय लोगों ने उपजिला के सदर यूनियन के तहत जगतपुर गांव में एक खेत में समीर का शव पड़ा हुआ पाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद किया। रिपोर्ट्स के अनुसार,

शव पर चाकू के कई निशान थे। शुरूआती पुलिस जांच से पता चला कि समीर को एक सुनसान जगह पर ले जाया गया और उसका ऑटो-रिक्शा चुराने की कोशिश में बेरहमी से मार दिया गया। बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक समीर कुमार दास की हत्या के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने घटना की कड़ी आलोचना की है। भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि यह हत्या बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे लगातार अत्याचार को दिखाती है, जिन्हें बिना चुने हुए यूनुस सरकार के आने के बाद से निराशा के कगार पर धकेल दिया गया है। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर एक और लक्षित हमले में फेनी के डागनभुइयां में समीर कुमार दास की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उनका ऑटो-रिक्शा भी लूट लिया, जो उनकी रोजी-रोटी का एकमात्र जरिया था। उन्होंने लिखा, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हिंदुओं, ईसाईयों और बौद्धों समेत अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को परेशान करने वालों पर लगाम लगाने की कोई कोशिश नहीं की है। न ही उसने सांत्वना का एक शब्द भी कहा है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी

भविष्य में किसी भी दुस्साहस का सख्ती से जवाब दिया जाएगा : सेना प्रमुख

नई दिल्ली : भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की संतुलित, सटीक और दृढ़ प्रतिक्रिया ने सीमा-पार आतंकवाद के विरुद्ध देश की तैयारी, निर्णायक क्षमता और रणनीतिक स्पष्टता को प्रदर्शित किया। सेनाध्यक्ष ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि देश के उत्तरी बॉर्डर पर हालात स्थिर हैं, लेकिन इसके साथ ही निरंतर सतर्कता बरती जा रही है। थल सेनाध्यक्ष ने बताया कि उत्तरी मोर्चे पर स्थिति स्थिर है, किंतु निरंतर सतर्कता आवश्यक बनी हुई है। शीर्ष स्तर की वाताओं, संपर्क की पुनर्बहाली और विश्वास-निर्माण उपायों से स्थिति में क्रमिक सामान्यीकरण हो रहा है। वहीं बांग्लादेश को लेकर सेनाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय सेना ने बातचीत के लिए अलग-अलग चैनल खोल रखे हैं। उन्होंने बताया कि स्वयं उनकी बात भी होती रहती है। थलसेना प्रमुख के अलावा नेवी चीफ और एयर चीफ भी बात कर चुके हैं। भारतीय सेना का

डेलीगेशन भी वहां गया था। यह इसलिए है ताकि कोई मिसकम्युनिकेशन न हो। पहलगाम आतंकी हमले के बाद, उच्चतम स्तर पर निर्णायक प्रतिक्रिया का स्पष्ट निर्णय लिया गया। इसके परिणामस्वरूप ऑपरेशन सिंदूर की परिकल्पना और क्रियान्वयन अत्यंत सटीकता के साथ किया गया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर उन्होंने कहा कि 7 मई 2025 को 22 मिनट की तीव्र कार्रवाई तथा 10 मई तक चले 88 घंटे के समन्वित अभियान के माध्यम से इस ऑपरेशन ने रणनीतिक मान्यताओं को पुनर्परिभाषित किया। आतंकवादी ढांचे पर गहरे प्रहार किए गए। आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त किया गया और लंबे समय से चली आ रही परमाणु धमकियों की बयानबाजी को प्रभावी रूप से निष्प्रभावी किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने नौ में से सात लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट किया। इसके बाद पाकिस्तान की प्रतिक्रियाओं पर सटीक, संतुलित और नियंत्रित उत्तर सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और भविष्य में किसी भी दुस्साहस का सख्ती से जवाब दिया जाएगा। भारतीय सीमा से सटे पाकिस्तानी कब्जे वाले इलाकों में अब भी कैंप मौजूद हैं। भारतीय सेना की नजर इन पर है और जरूरत पड़ी तो कार्रवाई होगी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, हमारी जानकारी में करीब 8 कैंप अभी भी एक्टिव हैं। इनमें से 2 अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर के अपोजिट और 6 नियंत्रण रेखा के अपोजिट हैं। इन कैंपस में अभी भी उपस्थिति है। हम उन पर नजर रखे हुए हैं अगर कोई हरकत हुई तो जो हमारा इरादा है हम जरूर (कार्रवाई को) अंजाम देंगे। इस अवसर पर थल सेनाध्यक्ष ने सीएपीएफ, खुफिया एजेंसियों, नागरिक निकायों, राज्य प्रशासन और विभिन्न मंत्रालयों जैसे गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय आदि की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर स्पष्ट राजनीतिक निदेशों और सैन्य बलों को पूर्ण स्वतंत्रता के साथ त्रि-सेवा समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। बीते एक वर्ष में विश्व-भर में सशस्त्र संघर्षों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी गई है। ये वैश्विक परिवर्तन एक सरल सच्चाई को रेखांकित करते हैं–जो राष्ट्र तैयार रहते हैं, वही भविष्य को सुरक्षित कर पाते हैं। भारत में भविष्य के युद्ध की रूपरेखा अब स्पष्ट रूप से आकार ले रही है। भविष्य के युद्ध किसी एक हथियार, एक शाखा या एक सेवा द्वारा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के समन्वित प्रयास से जीते जाएंगे। इस दूरदृष्टि को प्रधानमंत्री ने अपने मंत्र जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन के माध्यम से स्पष्ट किया है।

समाचार सार

तापमान में गिरावट आने की संभावना

रांची : झारखंड में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की हल्की बढ़ोतरी जरूर दर्ज की गई, लेकिन यह राहत ज्यादा देर तक रहने वाली नहीं है। राज्य के लगभग सभी जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास पहुंच गया, हालांकि गुमला सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3।6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में एकाएक गिरावट आने की संभावना है। विभाग ने चेतावनी दी है कि तापमान 4 डिग्री तक गिर सकता है, जिससे राज्य में कड़ाके की ठंड और तेज शीतलहर का असर साफ तौर पर महसूस होगा। खासकर सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ने की आशंका है।

मौसम विभाग ने बताया है कि 13 जनवरी से 17 जनवरी तक झारखंड में जबरदस्त शीतलहर चलेगी। इस दौरान कई जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा और तापमान में 4 से 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। 13 जनवरी को रांची, खूंटी, पलामू, हजारीबाग, रामगढ़, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़ और सरायकेला-खरसावां में ठंड का असर ज्यादा रहने की संभावना है। इन जिलों में न्यूनतम तापमान 2 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

ठंड और शीतलहर को देखते हुए मौसम विभाग ने झारखंड के 12 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें रांची, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, पलामू, रामगढ़, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, चतरा, गढ़वा और गुमला शामिल हैं। मौसम विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने की अपील की है।

अंशिका और अंश) की तलाश लगातार जारी है

रांची : शहर के धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत मौसीबाड़ी एरिया से लापता हुए दो भाई-बहन (अंशिका और अंश) की तलाश लगातार जारी है। इसी सिलसिले में, सोमवार को स्वयंसेवी संस्था स्वैच्छिक कार्रवाई संघ (एवीए) और गुमशुदा बच्चों की बरामदगी हेतु झारखंड पुलिस गठित विशेष टीम के साथ एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में, झारखंड पुलिस की विशेष टीम द्वारा बाल संरक्षण विषय पर कार्यरत स्वयंसेवी संगठनों के एक देशव्यापी नेटवर्क- बच्चों के लिए न्यायोचित अधिकार के साथ पैन इंडिया करीब 450 जिलों में कार्य कर रहे एनजीओ प्रतिनिधियों एवं स्वैच्छिक कार्रवाई संघ (एवीए) के देशभर से करीब 20 राज्यों के प्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं के सहयोग की अपेक्षा की गई, ताकि गुम हुए अंश और अंशिका की खोजबीन कर उनकी सकुशल बरामदगी सुनिश्चित हो सके।

पुलिस की टीम ने सभी संगठनों से अपने-अपने क्षेत्रों में एनजीओ कार्यकताओं की मदद से इन बच्चों की जल्द बरामदगी हेतु अपील की है। बैठक में पुलिस की विशेष टीम से राँची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर, राँची यातायात एसपी राकेश सिंह के साथ-साथ अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हुए। बैठक में वर्चुअल रुप से जुड़े स्वयंसेवी संस्था एवीए के वरिष्ठ निदेशक मनीष शर्मा नेआश्वस्त किया कि इन गुमशुदा बच्चों की बरामदगी की दिशा में पुलिस की विशेष टीम द्वारा तैयार व्यापक रणनीति के तहत अपेक्षित सहयोग हेतु एवीए की देश भर की टीम एवं जेआरसी से जुड़े लगभग 250 गैर सरकारी संगठनों का समूह झारखंड पुलिस के साथ पूरी मुस्तैदी से खड़ा है, ताकि गुम हुए बच्चों की बरामदगी सुनिश्चित की जा से।

मनरेगा से बेहतर कानून है वीबी-जी राम जी : सांसद

मेदिनीनगर : पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने रविवार को मेदिनीनगर स्थित अपने आवासीय परिसर में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकताओं के साथ विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) कानून की चर्चा की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट (मनरेगा) के क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार के कारण इसे केवल गड्ढा खोदने और भरने की योजना की पहचान बन चली थी। विभिन्न राज्यों के सांसदों ने इसमें आमूल-चूल परिवर्तन की सलाह दी थी जिसपर गंभीरता से विमर्श करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वीबी-जी राम जी कानून को देश के सामने लाया है।

पलामू सांसद शनिवार को मेदिनीनगर के पलामू परिसदन में प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित किया था जबकि रविवार को कार्यकताओं के साथ विमर्श किया। उन्होंने मनरेगा की जगह पर लाए गए नए कानून में तकनीक का अधिक से अधिक प्रयोग किए जाने की बात करते हुए इसकी खुबियों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस कानून को लागू करने के लिए बनाई जा रही नियमावली भी शीघ्र सामने आ जाएगी ताकि देश के जरूरतमंद लोगों को पूर्व की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि नए कानून के तहत गांव के विकास के लिए आधारभूत संरचना निर्माण को गति मिलेगी। मजदूरी भी तुलनात्मक दृष्टि से बेहतर और प्रत्येक सप्ताह मिल सकेगा। 15 दिनों से अधिक विलंब होने पर मजदूरों को क्षतिपूर्ति राशि का भी भुगतान किया जाएगा। नया कानून भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में मददगार बनेगा। कार्यकताओं से बातचीत के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अमित कुमार तिवारी, शिवकुमार मिश्र, विजय ओझा, संजय गुप्ता, भोला पांडेय, छोटू सिन्हा आदि उपस्थित थे।

एक दर्जन बिजली उपभोक्ताओं पर प्राथमिकी

हरिहरगंज : पलामू जिले के हरिहरगंज शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति कंपनी ने अभियान चलाई। इस क्रम में अवैध रूप से बिजली उपयोग करने वाले एक दर्जन उपभोक्ताओं के खिलाफ हरिहरगंज थाना में प्राथमिकी कराई है। छतरपुर के विद्युत कार्यपालक अभियंता राजेश कुमार ने बताया कि शहर के मेन बाजार, अररुआ एवं ग्रामीण क्षेत्र के ढाब व सेमरबार में छापामारी की गई। उन्होंने बताया कि कुल तीन लाख अड़तालीस हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है।

लघु उद्योग भारती महिला विंग की हुई बैठक

रांची : लघु उद्योग भारती की महिला विंग की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें महिला उद्यमियों एवं स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता की। बैठक का उद्देश्य महिलाओं को लघु एवं कुटीर उद्योगों से जोड़ना, उनके व्यवसायिक कौशल को सशक्त बनाना तथा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महिलाओं की भूमिका को और मजबूत करना रहा।

बैठक में महिला उद्यमिता, सरकारी योजनाओं का लाभ, वित्तीय साक्षरता, मार्केटिंग रणनीतियाँ, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने तथा आपसी नेटवर्किंग जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किए और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर सुझाव दिए।

महिला विंग द्वारा यह संकल्प लिया गया कि अधिक से अधिक महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ने हेतु प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम और मार्गदर्शन सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। बैठक सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुई। मीटिंग में उपस्थित महिलाएं, पूजा रानी,कोमल नरसरिया ,सुचित्रा छापरिया,टीना रॉय,नीलम राजगढ़िया,भावना शर्मा ,कामिनी सिन्हा एवं अन्य उपस्थित थी।

रांची में लापता अंश-अंशिका मामले की उच्चस्तरीय समीक्षा, विशेष टीम को तेज कार्रवाई के निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: धुर्वा थाना क्षेत्र से लापता हुए बच्चों अंश कुमार और अंशिका कुमारी की बरामदगी को लेकर पुलिस ने प्रयास तेज कर दिए हैं। सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रांची के गोपनीय कार्यालय में इस मामले की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आईजी (ऑपरेशंस) झारखंड, रांची मनोज कौशिक ने की।

12 जनवरी 2026 को अपराह्न 1:30 बजे आयोजित इस बैठक में धुर्वा थाना कांड संख्या 01/26 (दिनांक 03।01।2026), धारा 137(2) बीएनएस के तहत गठित विशेष टीम द्वारा अब तक की गई कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, यातायात पुलिस अधीक्षक सहित विशेष टीम के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में लापता बच्चों की बरामदगी को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और अब तक हुई पुलिस कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही आगे की रणनीति पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। आईजी (ऑपरेशंस) ने विशेष टीम में शामिल अधिकारियों को निर्देश दिया कि मामले में सभी बिंदुओं पर सख्ती से अनुपालन करते हुए कार्रवाई को और तेज किया जाए।

बैठक में देश के 20 राज्यों के 439 जिलों में कार्यरत एनजीओ नेटवर्क के माध्यम से लापता बच्चों की खोजबीन को लेकर किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। सभी संगठनों से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय एनजीओ कार्यकताओं के सहयोग से बच्चों की बरामदगी में रांची पुलिस की मदद करें।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिले

संवाददाता

रांची: भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी जी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम विकसित भारतझ ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन गारंटी अधिनियम वीबी जी राम जी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में केंद्रीय ऊर्जा एवम शहरी विकास, आवास मंत्री सह हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद साहू, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त बैठक में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू जी भी शामिल हुए। कार्यशाला के उपरांत भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू जी मोर्चा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण के साथ केंद्रीय मंत्री जी से मुलाकात की। इस दरम्यान पवन साहू जी की केंद्रीय मंत्री आदरणीय मनोहर लाल खट्टर जी से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष (झारखंड) की चुनाव संबंधित संक्षिप्त चर्चा हुई। उक्त मुलाकात के पश्चात राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। स्वामी विवेकानंद जयंती पर पवन साहू जी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार, राष्ट्रभक्ति, युवा शक्ति और आत्मनिर्भर भारत आज भी हम सभी को सेवा, समर्पण और संकल्प के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति राष्ट्र भावना से शून्य है, तो वह उस चूहे के समान है, ₹जो घर का अनाज भी खाता है, और घर की नींव भी खोदता है₹ स्वामी जी के कथनानुसार ₹संघर्ष जितना कठिन होगा, जीत उतनी हीं शानदार होगी₹ स्वामी जी ने कहा था ₹केवल प्राण निकलने से हीं मृत्यु नहीं होती, मरा हुआ तो वह भी है, जो अपने देश धर्म और संस्कृति पर आघात होते हुए देखकर भी मौन है₹ उनका कहना था उठो जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए! कहा कि आज हम सब संकल्प लें कि उनके बताए मार्ग पर चलकर अपने चरित्र, आत्मविश्वास और सेवा भाव को मजबूत बनाएंगे। यही स्वामी विवेकानंद जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मौके पर भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, उपाध्यक्ष अजय दुबे, मंत्री विनोद ठाकुर, मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, कार्यालय मंत्री सज्जन कुमार पंकज, सह कार्यालय मंत्री बृंद कुमार, प्रमंडलीय प्रभारी ऋषिकेश राणा, यश सिंह परमार, सुमित पाठक सहित कई अन्य पार्टी के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता गण शामिल रहे।

एबीडी ने मार्टिन लियोनार्ड को सलाहकार नियुक्त किया

रांची : एबीडी ने अनुभवी अंतरराष्ट्रीय उद्योग पेशेवर मार्टिन लियोनार्ड को सलाहकार के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। इस भूमिका में वे कंपनी की मौजूदा और प्रस्तावित इकाइयों से जुड़े संचालन, प्रक्रिया व्यवस्था तथा दीर्घकालिक योजनाओं पर मार्गदर्शन देंगे। कंपनी के अनुसार, यह नियुक्ति संगठनात्मक क्षमता को और मजबूत करने तथा आगामी परियोजनाओं को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। मार्टिन लियोनार्ड को वैश्विक स्तर पर वर्षों का अनुभव है और उन्होंने बड़े पैमाने की औद्योगिक परियोजनाओं के प्रबंधन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। एबीडी के प्रबंधन ने कहा कि उनके जुड़ने से कार्यप्रणाली में सुधार होगा और योजनाओं के क्रियान्वयन को गति मिलेगी। एबीडी के मैनेजिंग डायरेक्टर आलोक गुप्ता के अनुसार, यह नियुक्ति कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे संगठन को भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से तैयार किया जा सकेगा।

स्मृति शेष : आनंद कुमार के जन्मदिन पर स्वस्थ्य शिविर 18 को

रांची : आनंद कुमार के जन्म दिन पर 18 जनवरी को चतुर्थ निःशुल्क स्वास्थ्य सह रक्तदान शिविर का आयोजन सोशल वेलफेयर एंड रिसर्च एक्टिविटी इन झारखंड स्वराज के द्वारा एच एम पब्लिक स्कूल चुटिया रांची में रखा गया है। इस स्वास्थ्य शिविर में रक्तदान शिविर रिम्स के सहयोग से, नेत्र जांच सह मोतियाबिंद आपरेशन भगवान महावीर नेत्र हॉस्पिटल, बरियातू रांची, मेडिकल स्वास्थ्य वेदांता हॉस्पिटल, चुटिया, दंत परीक्षण श्री टीथ केयर, ब्लड ग्रुप जांच, बी पी, शुगर जांच, कुमार डायग्नोसिस्ट सेंटर चुटिया, फिजियोथेरेपी, कल्पतरु के माध्यम से किया जा रहा है। उद्घाटन कर्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री माननीय सुदेश कुमार महतो जी, विशिष्ट अतिथि डॉ सुदेश कुमार साहू जी छात्र कल्याण संकाय रांची विश्वविद्यालय, रांची, डॉ शेखर (काजल) अध्यक्ष, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, डॉ अशोक कुमार वैद्य, नेफ्रोलॉजिस्ट, डायरेक्टर, नेफ्रॉन किडनी केयर क्लीनिक, रांची होंगे, इस स्वास्थ्य सह रक्तदान शिविर के उद्घाटन कर्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री माननीय सुदेश कुमार महतो जी, विशिष्ट अतिथि डॉ सुदेश कुमार साहू जी छात्र कल्याण संकाय रांची विश्वविद्यालय, रांची, डॉ शेखर (काजल) अध्यक्ष, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, डॉ अशोक कुमार वैद्य, नेफ्रोलॉजिस्ट, डायरेक्टर, नेफ्रॉन किडनी केयर क्लीनिक, रांची होंगे, अतः सभी से निवेदन है कि आप सभी सुबह 10 बजे से पहले उपस्थित हों और आप सभी ब्लड डोनर के रूप में एक यूनिट रक्त दान करे और स्वास्थ्य शिविर का लाभ लें।

दुमका में ब्राउन शुगर के साथ तीन ड्रग्स पैडलर गिरफ्तार, एसपी ने कहा लिंक की हो रही है जांच

संवाददाता

दुमका: जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी कर रहे तीन ड्रग्स पैडलरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में दो ड्रग पैडलर नाबालिग हैं। जिले के एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि इस काले धंधे के लिंक की पड़ताल की जा रही है कि वे ब्राउन शुगर कहां से लाए और कहां इसे खपाना था।

वाहन चेकिंग के दौरान हुआ खुलासा : दरअसल, दुमका पुलिस टीम को सूचना मिली कि कुछ लोग ब्राउन शुगर खपाने के उद्देश्य से रामगढ़ थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस टीम द्वारा यह जानकारी रामगढ़ थाना प्रभारी मनीष कुमार को दी गई। सूचना के सत्यापन के बाद आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एसडीपीओ श्यामनन्दन मंडल के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।इसके बाद एसडीपीओ, थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस कर्मियों की टीम ने गुहियाजोरी-गोड्डा मुख्य मार्ग पर स्थित मयूरनाथ गांव के पास चेकिंग लगाकर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस टीम को देखकर गुहियाजोरी की तरफ से रामगढ़ की ओर आ रहा एक बाइक सवार भागने लगा। बाइक सवार को भागते देख पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और लोगों की तलाशी ली।

तलाशी के बाद नाबालिग को भेजा गया बाल सुधार गृह : तलाशी के दौरान एक व्यक्ति के जैकेट से 38 पुडिया ब्राउन शुगर मिला। जिसका वजन 06 ग्राम था। जिसकी पहचान बबलू कुमार, पिता- संतोष महतो, निवासी- ग्राम शिमला, थाना खागा, जिला देवघर के रूप में हुई। जबकि दूसरे व्यक्ति के पास से 07 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुआ। जांच के दौरान मादक पदार्थ के साथ पकड़े गए तीन में से दो युवक नाबालिग निकले। पूछताछ के बाद पुलिस ने 21 वर्षीय बबलू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि अन्य दो नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 45 पुड़िया ब्राउन शुगर जब्त की है, जिसका वजन 07 ग्राम है। इस दौरान बाइक भी जब्त की गई है।

क्या कहते हैं एसपी : इस पूरे मामले में दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि ये सभी तस्कर देवघर के रहने वाले हैं और ऑर्डर पर ब्राउन शुगर लेकर दुमका डिलीवरी देने आ रहे थे। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की सघन अनुसंधान की जा रही है। खास तौर पर इस मादक पदार्थ से जुड़े लोगों के लिंक की जांच की जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि ये नशीला पदार्थ कहां से लाते थे और कहां इसका सप्लाई कर रहे थे।

राष्ट्रीय युवा दिवस व मकर संक्रांति पर लगा बुरु मेला, विधायक भी हुए शामिल

सिल्ली : हर बर्ष की भांति इस बर्ष भी राष्ट्रीय युवा दिवस व मकर संक्रांति के अवसर पर लोटा बुरु मेला समिति लोटा बांधडीह की ओर से बुरु मेला लगा।इस अवसर पर मेला समिति की ओर से स्कूली बच्चों का कला खेल खुद प्रतियोगिता, मैराथन दौड़, टुसु प्रदर्शनीय प्रतियोगिता मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, इन प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को मेला समिति की ओर से पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। मेला में स्थानीय विधायक अमित महतो भी शामिल हुए।उन्होंने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा की संस्कृति हमारी पहचान है हमें हमारे पूर्वजों और समृद्ध विरासत से जोड़ती है, जो हमें अपने अतीत को समझने में मदद करती है।इसे जीवंत रखने की जरूरत है। पुरस्कार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रवींन्द्र नाथ मुंडा एंव गन्यमान्य लोगों के हाथों दिया गया।मेला में महिला पांता नाच मुख्य आकर्षक का केंद्र था, आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष विश्वनाथ महतो सचिव शंकर महतो कोषाध्यक्ष मुकेश महतो रामपदो महतो भृगु महतो बिसु, मायाराम, रोहित, प्रकाश, प्रहलाद राहुल सतीश सुभाष सीताराम सूरज अजय विक्की निताई गौरा, तपन, गुना,रवि चंद्रेश जगदीश केशव गंगाधर कांदरू महतो समेत लोटा बांधडीह टुंगरीटांड, बनधार गांव के ग्रामीणों का योगदान रहा।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में महाप्रसाद का हुआ वितरण

रांची : पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 248 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा डॉ एचपी नारायण, उनके पुत्र सत्यप्रकाश नारायण, नीता नारायण, डाङ्र्ट प्रणव नारायण, तानिया कुमारी एवं उनके परिवार के सौजन्य से आयोजित किया गया। पूरा मंदिर परिसर राधे- राधे एवं गुरुजी के जयकारों से गूंज उठा,श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य आकर्षक आभूषणों से अलंकृत कर अलौकिक श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई और वितरण किया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित तीन हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या में वृंदावन से पधारे भजन गायक पवन तिवारी, रविकांत शास्त्री एवं विनय सुबा द्वारा श्री राधा कृष्ण, श्री श्याम प्रभु पर आधारित गाए मनमोहक सुमधुर भजनों श्रोताओं को खूब झुमाया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री राधा कृष्ण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी तथा 8 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किए। उन्होंने बताया कि मंदिर में प्रत्येक दिन दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक वेजिटेबल खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया जाता है जिसमें 500 से भी अधिक श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं ।इस अवसर पर-डूंगरमल अग्रवाल,राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, विजय अग्रवाल,निर्मल छावनिका, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, संजय सर्राफ, विष्णु सोनी, सुनील पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, सुरेश चौधरी,विशाल जालान, सुरेश अग्रवाल, प्रमोद सारस्वत,दीपेश निराला, नवल अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, सुरेश भगत,सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

पं विजय शंकर मेहता के साथ सवा लाख लोगों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

रांची : स्वामी विवेकानंद जयंती पर श्री हनुमान सेवा संस्थान,रांची एवं नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर सहित जीवन प्रबंधन समूह द्वारा ह्यएक शाम युवाओ के नामह्न का आयोजन रांची में किया गया। अध्यक्ष राकेश भास्कर ने स्वागत भाषण करते बताया कि 15 वर्षों से रांची में ह्यएक शाम युवाओं के नामह्न का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रख्यात कथावाचक व प्रबंधन गुरु पंडित विजय शंकर मेहता स्वामी विवेकानंद और हनुमान जी के समर्पण व भक्ति के आधार पर जीवन प्रबंधन के सूत्र पर व्याख्यान देते हैं। टीवी चैनलों पर प्रसारण के माध्यम यहां हुए हनुमान चालीसा के पाठ से सवा लाख लोगों ने एक ही समय में हनुमान चालीसा का पाठ किया।नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा विगत चार दशकों से संपूर्ण भारत में दिव्यांगजनों की जन्मजात दिव्यांगता की शल्य चिकित्सा, सहायक उपकरण, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी वितरण तथा दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को कृत्रिम हाथ-पैर प्रदान करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं दी जा रही हैं।संस्थान अब तक 4,51,057 से अधिक दिव्यांगजनों की सफल शल्य चिकित्सा कर चुका है तथा 38,982 से अधिक कृत्रिम अंग लगाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। समिति के सदस्यों द्वारा पंडित विजय शकर मेहता का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया।श्री हनुमान सेवा संस्थान के द्वारा रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी , केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी,पूर्व भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्रांत संगठन मंत्री कर्मवीर ,राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, आदित्य साहू ,विधायक सह अयोजन समिति के मुख्य संरक्षक सरयू राय , हटिया विधायक नवीन जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, वरुण साहू, सहित पूर्व पार्षद, नगर अध्यक्ष, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्था सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

नरेंद्र मोदी वैश्विक पटल पर भारत को नई पहचान दिला रहे हैं : संजय सेठ

रांची : स्वामी विवेकानंद सरोवर में योग प्रवर्तक स्वामी विवेकानंद की जयंती पर भारत सरकार के केंद्रीय शहरी विकास आवास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा कि स्वामी जी ने कम आयु में वैश्विक स्तर पर भारत की जो छाप छोड़ी, वह हर देशवासी के लिए प्रेरणादायी है। स्वामी विवेकानंद का जीवन हमें यह बताता है कि लक्ष्य बड़ा हो और उसके प्रति हमारा समर्पण हो तो परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, हम लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। उनके पदचिन्हों पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वैश्विक पटल पर भारत को नई पहचान दिला रहे हैं। भारत की युवा शक्ति ही भारत ही असली ऊर्जा है। इस ऊर्जा को हम राष्ट्र प्रथम के भाव से कार्य करने में लगाएं तो स्वामी विवेकानंद के सपनों के भारत के निर्माण का मार्ग और भी प्रशस्त हो । मौके पर भाजपा रांची महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू, ग्रामीण जिला पूर्वी के अध्यक्ष धीरज महतो , स्वामी भावेशानंद सहित सैकड़ो की संख्या एनसीसी के कैडेट्स उपस्थित थे।

साइबर धोखाधड़ी से बचाव पर कार्यशाला आयोजित

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची में साइबर फ्रॉड बहुत बड़ी समस्या बन चुका है। आम नागरिकों के साथ अब व्यापारी वर्ग भी तेजी से इसका शिकार हो रहा है। साइबर फ्रॉड से जागरूकता और बचाव को लेकर उन्होंने एक पहल की है।आम नागरिकों के साथ व्यापारी वर्ग को साइबर फ्रॉड से बचाने और जागरूकता के लिए बीएसएनएल और साइबर फ्रॉड से जागरूकता के लिए काम कर रही संस्था साइबर पीस फाउंडेशन से जुड़े प्रतिनिधियों व प्रबुद्ध जनों ने बचाव की जानकारी दी और कहा कि केवल तकनीकि नहीं बल्कि जन जागरूकता और सामाजिक भागीदारी सबसे प्रभावी हथियार हैं। डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर स्वच्छता को दैनिक आदत बनाने की जरूरत है। संसद संजय सेठ के कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में बीएसएनएल के सीजीएम विपुल अग्रवाल, पीजीएम उमेश शाह, साइबर पीस के संस्थापक विनीत कुमार सहित कई प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

लोक भवन में आयोजित शिविर में 406 लोगों ने किया रक्तदान

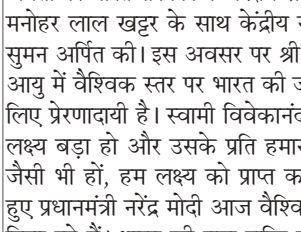

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के निर्देश पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती पर लोक भवन स्थित बिरसा मंडप में ह्यरक्तदान शिविरह्न का आयोजन किया गया। राज्यपाल ने ह्यरक्तदान शिविरह्न के उद्घाटन से पूर्व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित की। मौके पर उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। राज्यपाल ने रक्तदान को सर्वोच्च मानवीय एवं पुनीत कार्य बताते हुए कहा कि समय पर रक्त उपलब्ध न होने के कारण अनेक बार बहुमूल्य जीवन संकट में पड़ जाता है। ऐसे में रक्तदान जैसे सेवा-कार्य को जन-आंदोलन का रूप देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि राज्य में प्रत्येक रक्त समूह की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा वर्षों से सुषुप्त एवं निष्क्रिय झारखंड रेड क्रॉस सोसाइटी को सक्रिय एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं और अपेक्षा है कि यह संस्था समाज में सेवा, विश्वास और संवेदनशीलता की सशक्त मिसाल प्रस्तुत करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि शीघ्र ही राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सीएम हेमंत सोरेन ने रांची जिले के झामुमो अधिकारियों के साथ की बैठक

संगठन की मजबूती और निकाय चुनावों पर की चर्चा

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आवास पर रांची झामुमो जिला समिति के पदाधिकारियों की बैठक हुई. इस बैठक में पार्टी के संगठनात्मक विषयों पर चर्चा तथा संगठन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई.

पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह केंद्रीय प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय, केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, केंद्रीय सचिव अभिषेक प्रसाद ₹पिंटू₹, केंद्रीय सदस्य पवन जेडीया, अश्विनी शर्मा, अंतु तिर्की, समनूर मंसूरी, हेमलाल मेहता, रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के साथ नयनतारा उरांव, संध्या गुड़िया, सुषमा वरदेवा, अंकिता वर्मा, रांची जिला संयोजक मंडली के सदस्य, रांची महानगर संयोजक मंडली के सदस्य, रांची जिला अंतर्गत सभी प्रखंड समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव तथा रांची महानगर अंतर्गत सभी वार्ड समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल हुए.

रांची जिला झामुमो समिति की बैठक में सभी 18 प्रखंडों के झामुमो अध्यक्ष, सचिव और नगर निगम क्षेत्र के सभी 53 वार्डो के अध्यक्ष, सचिव, संयोजक प्रमुख, रांची जिला संयोजक की उपस्थिति रही. खास बात यह रही कि आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने खुद सभी उपस्थित पदाधिकारियों की उपस्थिति बनायी.

झामुमो के संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बैठक के दौरान केंद्रीय अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने कहा कि भले ही शहरी निकाय चुनाव दलीय आधार पर नहीं हो रहा हो लेकिन जो भी उम्मीदवार मेयर, वार्ड पार्षद, नगर परिषद-नगर पंचायत के अध्यक्ष के लिए चुनाव में उतरेंगे, वह किसी न किसी राजनीतिक दल से जुड़े हुए ही होंगे. ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम ऐसी रणनीति बनाएं कि दलीय आधार पर चुनाव नहीं होने के बावजूद हमारी पार्टी से जुड़े हुए उम्मीदवार ज्यादा से ज्यादा जीत हासिल करें।

रांची में लापता बच्चों के परिजनों से मिलीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

संवाददाता

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची में लापता बच्चों के मामले ने तूल पकड़ लिया है. सोमवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी धुर्वा स्थित लापता बच्चों के आवास पर पहुंचीं और पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना. उन्होंने पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए. मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने परिजनों से पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली और उनकी पीड़ा को गंभीरता से सुना.

बातचीत के दौरान बच्चों की मां भावुक हो उठीं और अपने बच्चों की जल्द व सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई. इस दौरान माहौल बेहद संवेदनशील हो गया, जिसे देखते हुए मंत्री ने परिवार को ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है।

केंद्रीय मंत्री ने मौके पर ही झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा से दूरभाष पर बातचीत की. उन्होंने न केवल स्थिति की जानकारी ली, बल्कि लापता बच्चों की मां और परिजनों की भी सीधे डीजीपी से बात करवाई, ताकि उनकी आवाज शीर्ष स्तर तक पहुंचे और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके. मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मामले में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि संबंधित प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को लगातार समन्वय बनाकर बच्चों की जल्द से जल्द तलाश और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन भी लगाए जाएंगे.

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार किया. उन्होंने कहा कि यदि घटना के पहले 24 घंटे में स्थानीय पुलिस ने गंभीरता और तत्परता दिखाई होती तो शायद आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती. उन्होंने दो टूक कहा कि लापरवाही किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है और इस मामले में जिम्मेदारी तय होनी चाहिए.

मंत्री ने यह भी कहा कि जिस स्थान पर यह घटना हुई है, वहां से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर राज्य का पुलिस मुख्यालय स्थित है. इसके अलावा राज्य के सभी मंत्री और मुख्यमंत्री भी चंद मिनटों की दूरी पर कार्य करते हैं. इसके बावजूद राजधानी में इतनी गंभीर घटना हो जाना और लंबे समय तक किसी ठोस कार्रवाई का न होना, राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है.

मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे. सभी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और बच्चों की शीघ्र बरामदगी की मांग की. लोगों का कहना था कि यह मामला केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

रांची में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा

लोकतंत्र में राजनीति और मीडिया एक-दूसरे के पूरक

संवाददाता

303

रांची : सोमवार को रांची प्रेस क्लब सभागार में राजनीति और मीडिया संवाद विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला भी शामिल हुए। इस दौरान राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजनीति और मीडिया का संबंध परस्पर पूरक है और दोनों के संतुलन से ही लोकतंत्र मजबूत होता है।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि उन्हें पत्रकारों के बीच आकर बेहद प्रसन्नता हो रही है। बहुत समय बाद मीडिया से सीधे संवाद का अवसर मिला है। उन्होंने अपने जीवन के विभिन्न प्रसंगों को साझा करते हुए कहा कि वे विद्यार्थी जीवन में भी किराए के मकान में रहे। मंत्री रहते हुए भी किराए के मकान में रहे और आज राज्यपाल के रूप में भी संविधान के तहत प्रदत्त आवास में ही रह रहे हैं। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की सादगी और मयार्दा का प्रतीक बताया।

राज्यपाल ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि राज्यपाल के ऊपर भले ही मुकदमा न चले, लेकिन पत्रकारों की लेखनी जरूर चलती है। यही लेखनी सत्ता को जवाबदेह बनाती है। उन्होंने कहा कि मीडिया सत्ता और जनता के बीच सेतु का कार्य करती है। जिम्मेदार और निष्पक्ष पत्रकारिता से ही शासन व्यवस्था में पारदर्शिता आती है और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा होती है।

उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया से जुड़े लोग कभी खुद को छोटा न समझें, लेकिन साथ ही अहंकार से भी दूर रहें। पत्रकारिता का धर्म विनम्रता, सत्य और जनहित से जुड़ा है। मीडिया को अपनी ताकत का अहसास होना चाहिए, लेकिन उस ताकत का उपयोग समाज और लोकतंत्र के हित में होना चाहिए।

परिचर्चा के दौरान पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार बलबीर दत्त ने भी राजनीति और मीडिया के संबंधों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसकी स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है। पत्रकारों को सत्ता से सवाल पूछने का साहस बनाए रखना चाहिए। साथ ही तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में राजनीति और मीडिया के बदलते स्वरूप, चुनौतियों और जिम्मेदारियों पर गंभीर चर्चा हुई। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए राजनीति और मीडिया दोनों को एक-दूसरे की सीमाओं और भूमिकाओं का सम्मान करना होगा।

राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद को जयंती पर किया नमन

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर रामकृष्ण मिशन आश्रमद्वारा आयोजित कार्यक्रम में युवाओं से स्वामी विवेकानंद के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि संकल्प लेने का भी अवसर है।राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने वेदांत, योग और कर्मयोग के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक चेतना को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत हैं। उन्होंने शिक्षा को समाज की रीढ़ बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ऐसी शिक्षा के पक्षधर थे, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और चरित्रवान बनाए। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य ह्यनर सेवा ही नारायण सेवा हैह्न की भावना का सजीव उदाहरण है। ऐसे आयोजन समाज को दिशा देते हैं और युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

रांची : स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर झारखंड कला सांस्कृतिक शोध संस्थान रंग मंडल एवं नाट्य अकादमी कार्यालय परिसर में एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों को ह्यमेरा आदर्श स्वामी विवेकानंदह्न विषय दिया गया, जिस पर बच्चों ने उत्साह और रचनात्मकता के साथ अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से उकेरा। प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व, विचारों तथा राष्ट्रप्रेम को अपने चित्रों में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के उपरांत चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए, साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय सचिव सह निदेशक डॉ. दीपक प्रसाद ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, आदर्शों और उनके प्रेरक विचारों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन आज के बच्चों और युवाओं के लिए आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में अपनाकर एक सशक्त और संस्कारित समाज के निर्माण में सहभागी बनें। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वामी विवेकानंद जयंती को हर्षोल्लास एवं प्रेरणात्मक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में संस्था के कार्यकर्ता अरुण कुमार कश्यप, प्रीतेश कुमार गुप्ता, अक्षिता कुमारी, डॉ. मंजूषा प्रसाद, अविनाश कुमार, संदीप कुमार, संतोषी कश्यप, यशस्वी, एवं बाल कलाकार अधिश्री, निविषा, रिद्धिमा, आरुष, विराज प्रताप, अश्वनीया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निविषा द्वितीय स्थान आरुष और तृतीय स्थान अधिश्री प्रसाद ने प्राप्त किया। सभी उत्तीर्ण प्रतिभागियों को प्रोफेसर डॉ मंजूषा पूर्ति के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

टुसू परब : लोक-संस्कृति और स्वाभिमान का उत्सव

संजय सेठ

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में मकर संक्रांति केवल एक खगोलीय तिथि नहीं, बल्कि प्रकृति, श्रम और जीवन के नवचक्र का उत्सव है। सूर्य के उत्तरायण होने के साथ खेतों में लहलहाई फसल, भरे खलिहान और किसान के चेहरे की तृप्त मुस्कान उत्सव का रूप ले लेती है। इसी लोकधारा में झारखंड की मिट्टी से उपजा टुसू पर्व अपनी विशिष्ट पहचान के साथ सामने आता है–एक ऐसा पर्व, जो लोक-संस्कार, नारी सम्मान और सामाजिक एकता का सजीव प्रतीक है।

झारखंड की संस्कृति में ह्बारह मासे तेरह परब केवल कहावत नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। इन्हीं परबों में टुसू का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। यह पर्व अगहन संक्रांति से आरंभ होकर मकर संक्रांति तक चलता है और आज कई क्षेत्रों में माघ मास तक मेलों के रूप में जीवंत रहता है। विशेष रूप से झारखंड के पांच परगना क्षेत्र, रांची जिला के आस-पास तथा पुरुलियाझमानभूम अंचल में टुसू केवल पर्व नहीं, बल्कि जन-जीवन की धड़कन बन जाता है।

धान, धन और आनंद का लोकपर्व :

टुसू पर्व उस समय आता है जब किसान अपनी मेहनत का फल पा चुका होता है। धान की कटाई पूरी हो जाती है, खलिहान भर जाते हैं और घर-घर समृद्धि का वास होता है। यही कारण है कि टुसू को संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर बनाए जाने वाले चौड़ल (बांस, लकड़ी और रंगीन कागज से सजे भव्य ढांचे) लोककला, सामूहिक श्रम और रचनात्मकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। मेलों में चौड़ल प्रतियोगिताएं इस उत्साह को और ऊंचाई देती हैं।

गीतों में पूजा, गीतों में ही विदाई :

टुसू की पूजा - मंत्रों से नहीं, बल्कि लोकगीतों से होती है। पूरे पुस महीने तक प्रतिदिन संध्या बेला में दीप-आरती और ताजे फूलों के साथ टुसू गीत गाए जाते हैं। इन गीतों में नारी जीवन की कोमल भावनाएं, आशा-आकांक्षा और लोकदर्शन समाया रहता है।

टुसू थापना का एक लोकप्रिय गीत –

अगहन सांकराइते टुसू,
हांसे-हांसे आबे गो।
पुसअ सांकराइते टुसू,
कांदे-कांदे जाबे गो।।

यह गीत पूरे पर्व की आत्मा को व्यक्त करता है - आगमन में हर्ष और विदाई में करुणा।

मकर संक्रांति की पूर्व दिन बांउड़ी संध्या को जागरण होता है। गांव-गांव चौड़ल के साथ भ्रमण, ढोल-नगाड़ा, धमसा और शहनाई की गूंज से वातावरण लोक-संगीत में डूब जाता है। अगले दिन करुण और मार्मिक गीतों के साथ टुसू का विसर्जन प्रायः स्वर्णरेखा नदी और अन्य नदियों के तट पर होता है।

विसर्जन के समय गाया जाने वाला एक मार्मिक गीत -

तिरिस दिन जे राखिली टुसू,
तिरिस बाति दिये गो।
आर कि राखिते पारि टुसू,
मकर हइलो बादि गो।।

इन पंक्तियों में लोक-मन की संवेदना, विरह और श्रद्धा एक साथ बहती है।

नारी सम्मान और सामाजिक समरसता : टुसू पर्व में कुंवारी कन्याओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। टुसू की स्थापना, सेवा और गीतों के माध्यम से वे नारी शक्ति, शालीनता और सृजनशीलता का संदेश देती हैं। यह पर्व जाति-धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर समाज को जोड़ता है। गुड़ पिठा, तिल-चिउरा, मांस-भात जैसे पारंपरिक व्यंजन और खेल-कूद इस उत्सव को और जीवंत बनाते हैं।

आज की चुनौती, कल की जिम्मेदारी : यह सत्य है कि समय के साथ टुसू पर्व का पारंपरिक उल्लास कुछ कम हुआ है। आधुनिकता और औपचारिकता ने इसकी सहजता को प्रभावित किया है। लेकिन लोक-संस्कृति तभी जीवित रहती है, जब नई पीढ़ी उसे समझे, अपनाए और आगे बढ़ाए। टुसू पर्व केवल एक लोक-उत्सव नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा है। जहां श्रम का सम्मान है, अन्न के प्रति कृतज्ञता है, नारी गरिमा का आदर है और सामाजिक एकता की मजबूत डोर है। यदि हम इसे केवल रस्म नहीं, बल्कि संवेदना के साथ मनाएं, तो टुसू की लोकधुन आने वाली पीढ़ियों तक अपनी मिठास और संदेश के साथ गूंजती रहेगी।

सूक्ति

अवसर बार-बार हाथ नहीं लगता। ऐसा मत सोचो कि अवसर तुम्हारा द्वार दोबारा खटखटाएगा: सफोक्लीज

अलविदा जेटली

भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व वित्त एवं रक्षा मंत्री अरुण जेटली का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। जेटली की उम्र 66 वर्ष थी, लेकिन इसी उम्र में वे पांच दशक तक राजनीति में सक्रिय रहे। यह दिखाता है कि उनका राजनीतिक प्रशिक्षण कितना समृद्ध रहा होगा। दिल्ली विविद्यालय में अपने अध्ययन के दौरान ही वे छात्र राजनीति में प्रवेश कर गए थे। इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और उनका राजनीतिक करियर निरंतर चढ़ता गया। वाजपेयी सरकार में वे मंत्री बनाए गए। मोदी सरकार चलाने में उनकी अहम भूमिका रही। चाहे जीएसटी लागू करना हो या दिवालिया कानून, मोदी सरकार के दौरान ऐसे कई कदम उठाए गए, जिसमें जेटली की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। नोटबंदी और राफेल प्रकरण के दौरान वे मोदी सरकार के संकटमोचक बन कर आए। ऐसा नहीं था कि उनसे असहमति जताने वाले नहीं थे, नवउदारवाद के विरोधी उनके आलोचक रहे हैं। लेकिन उनकी मौत पर जिस तरह से राजनीति और समाज के विभिन्न हिस्सों से उन्हें श्रद्धांजलि मिली, वह यह प्रदर्शित करने के लिए काफी है कि उनकी स्वीकार्यता व्यापक पैमाने पर थी। भाजपा में वे एक ऐसे राजनेता थे, जिन्हें समाज के मनोविज्ञान की बेहतर समझ थी, जो उनकी राजनीतिक सूझबूझ को द्विगुणित करती थी। यही कारण था कि 2014 के लोक सभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी के रूप में पेश करने में उनमें कोई हिचक नहीं थी। लोक सभा चुनाव वे भले ही नहीं जीत पाए थे, लेकिन भाजपा के पक्ष में जनमत तैयार करने में वे पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक रहे। जब कभी वैचारिक प्रश्न आया, वे पार्टी की विचारधारा के प्रति दृढ़ता से खड़े रहे। अयोध्या विवाद हो या अनुच्छेद 370, पार्टी की सोच को तीक्ष्ण बृद्धि के जेटली ने प्रखरता से पेश किया। विरोधी भी उनकी वक्तृत्व क्षमता से चमत्कृत हो जाते थे। दूसरों को साधने की उनकी कला ने गठबंधन के दौर में भाजपा को मजबूती प्रदान की। यही वह पहलू था, जो उन्हें अपने समकालीन नेताओं से विशिष्ट बनाती थी। यही कारण है कि जेटली के जाने से भाजपा में जो रिक्तता आई है, उसे तत्काल भर पाना मुश्किल है। चूंकि भाजपा केंद्र की सत्ता में है, इसलिए जेटली का निधन न केवल पार्टी और सरकार, बल्कि देश के लिए भी नुकसानदेह है। सरकार उनके अमूल्य सुझावों की कमी महसूस करेगी, यह सत्ताधारी दल के नेताओं के बयान से जाहिर है।

स्मरण शक्ति और एकाग्रता भी बढ़ती है नमस्कार से

भारत के अलावा कई देशों में भी नमस्कार की मुद्रा को अत्यंत प्रभावशाली और चमत्कारी माना जाता है। जापानी भाषा में इसे ह्यगाशोह्न कहा जाता है। भारत समेत कई देशों का यही मानना है कि हाथ जोड़ना केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं, बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक मनोस्थिति को भी दशार्ता है।

भारतीय दर्शन के अनुसार, हमारे हाथ ऊर्जा के उत्सर्जन केंद्र हैं। जब नमस्कार की मुद्रा में दोनों हाथ जोड़े जाते हैं तो मन को असीम शांति मिलती है। प्रार्थना के लिए दोनों हाथों को जोड़ा जाता है। भारत के अलावा कई देशों में भी नमस्कार की मुद्रा को अत्यंत प्रभावशाली और चमत्कारी माना जाता है। जापानी भाषा में इसे ह्यगाशोह्न कहा जाता है। भारत समेत कई देशों का यही मानना है कि हाथ जोड़ना केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं है, बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक मनोस्थिति को दशार्ता है। जब हम हाथ जोड़ते हैं तो हमारी अंगुलियों के सिरे एक-दूसरे पर दबाव डालते हैं। ये प्रेशर प्वाइंट्स हमारे मस्तिष्क के उन हिस्सों से जुड़े होते हैं जो स्मरण शक्ति और एकाग्रता के लिए जिम्मेदार होते हैं। वहीं जापान में ह्यगाशोह्न के माध्यम से यह बताया जाता है कि जब दाएं और बाएं हाथ आपस में मिलते हैं, तो ये दो विपरीत चीजों के मिलन के प्रतीक होते हैं जैसे स्वयं और दूसरा, प्रकाश और अंधकार। इनसे यह पता चलता है कि ब्रह्मांड में सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है और हम अलग-अलग नहीं हैं। गाशो की मुद्रा में व्यक्ति का मन भटकना बंद कर देता है। मन एक ही स्थान पर केंद्रित हो जाता है। इसलिए अक्सर स्कूल में बच्चों को पढ़ाने से पहले दोनों हाथ जोड़कर प्रार्थना कराई जाती है। हमारे देश में जब कोई महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किया जाता है तो पहले दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर का स्मरण किया जाता है। ऐसा करने से मस्तिष्क की ऊर्जा एकाग्र हो जाती है और जिस कार्य को किया जाने वाला है, उसे बल मिलता है। हाथ जोड़ने का सही तरीका यह है कि दोनों हथेलियों को अपने हृदय चक्र के पास सटाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से हृदय सकारात्मक होता है। हृदय को यह अहसास होता है कि नकारात्मक बिंदुओं को बाहर निकालना है और सकारात्मक बातों को अपने अंदर रखना है। यही कारण है कि जो लोग विनम्रता में हाथ जोड़कर बातें करते हैं, अथवा किसी विवादास्पद मुद्दे को हाथ जोड़कर खत्म करते हैं तो हाथों की सकारात्मक तरंगें निकलकर परिवेश में घुल जाती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके हाथ नहीं होते। ऐसे में वे प्रार्थना की मुद्रा किस प्रकार बनाएं? इस दर्द को समझा प्रणव वेम्पाती और उनकी टीम ने। प्रणव वेम्पाती, हर्षा रेड्डी पोंगुलेटी और सुरेन मरुममुला द्वारा वर्ष 2018 में एक स्टार्टअप की स्थापना की गई। वे मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से बेहद प्रभावित थे। इसलिए उन्होंने कलाम से संबंधित कलार्म बनाने की सोची। आज भी देश में अनेक लोग ऐसे हैं जो कृत्रिम अंगों विशेषकर कृत्रिम हाथों को खरीदने में असमर्थ हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने हृदय रोग के लिए प्रसिद्ध और किफायती ह्यकलाम स्टेंटह्न विकसित किया था। इसी स्टेंट के तर्ज पर प्रणव वेम्पाती ने एक ऐसा कृत्रिम हाथ बनाने का निश्चय किया जो लोगों के लिए सुलभ हो सके और वे लोग जिनके हाथ नहीं हैं, वे उसका प्रयोग कर न केवल अपने दैनिक कार्य कर सकें, अपितु दोनों हाथों के माध्यम से प्रार्थना कर अपने हृदय को भी मजबूत कर सकें। इसके लिए प्रणव को हर्षा और सुरेन जैसे सह-संस्थापक मिले। समान सोच के साथ उन्होंने काम करना शुरू किया। विकसित देशों में उन्नत कृत्रिम बायोनिक हाथों की कीमत 35 से 60 लाख तक होती है।

अमीरी दे गरीब को त्रास

निस्संदेह, देश की शीर्ष अदालत ने देश व समाज की दुखती रग पर ही हाथ रखा है। महानगरों में अमीर तबके की विलासिता के चलते ही पर्यावरण व अन्य संकटों को बढ़ावा मिलता है। महानगरों में लगातार सड़कों का विस्तारीकरण, नए हाइवे निर्माण व ओवर ब्रिज निर्माण के बावजूद जाम व प्रदूषण का संकट कम नहीं हो रहा है। दरअसल, हमने अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता दी है, लेकिन व्यापक सामाजिक हितों की अनदेखी की है। आमतौर पर एक अकेले व्यक्ति के लिये कारें सड़कों पर दौड़ती रहती हैं। जो न केवल सड़कों में ज्यादा जगह घेरती हैं, बल्कि ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करके प्रदूषण को भी बढ़ावा देती हैं। यही वजह है कि आम आदमी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऑड-इवन प्रणाली शुरू करने को प्राथमिकता दी थी ताकि सड़कों पर कारों का सैलाब कम किया जा सके। तब बात उठी थी कि एक दिशा में और एक ऑफिस की तरफ जाने वाले लोग कार शेयर करके चलें। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी।

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली घातक पर्यावरण संकट झेल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट के निदान के लिये जो उपाय लागू किए जा रहे हैं, उसका खमियाजा गरीबों को झेलना पड़ रहा है। इस संकट की संवेदनशीलता को महसूस करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवन शैली से उपजी मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। दरअसल, बिगड़ते प्रदूषण संकट के बाबत दायर याचिकाओं को आज सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। कोर्ट ने भरोसा दिलाया कि वह इस बाबत प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ वकील और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए ये टिप्पणी की थी। अदालत का कहना था कि दिल्ली एनसीआर में ग्रेप-4 लागू करने के चलते जो पाबंदियां लागू की गई हैं, उनका सबसे ज्यादा नुकसान गरीब लोगों को हो रहा है। इससे निर्माण कार्य बंद होने से हजारों गरीब मजदूरों का चूल्हा नहीं जल सकेगा। मुख्य न्यायाधीश ने इस बाबत कहा कि संपन्न लोगों को अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना चाहिए। साथ ही कहा कि हमें समस्या का पता है और इसलिए हम ऐसे आदेश पारित करेंगे, जिनका पालन किया जा सकेगा। कहा कि कुछ निर्देश ऐसे भी हैं, जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है।

निस्संदेह, देश की शीर्ष अदालत ने देश व समाज की दुखती रग पर ही हाथ रखा है। महानगरों में अमीर तबके की विलासिता के चलते ही पर्यावरण व अन्य संकटों को बढ़ावा मिलता है। महानगरों में लगातार सड़कों का विस्तारीकरण, नए हाइवे निर्माण व ओवर ब्रिज निर्माण के बावजूद जाम व प्रदूषण का संकट कम नहीं हो रहा है। दरअसल, हमने अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता दी है, लेकिन व्यापक सामाजिक हितों की अनदेखी की है। आमतौर पर एक अकेले व्यक्ति के लिये कारें सड़कों पर दौड़ती रहती हैं। जो न केवल सड़कों में ज्यादा जगह घेरती हैं, बल्कि ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करके प्रदूषण को भी बढ़ावा देती हैं। यही वजह है कि आम आदमी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऑड-इवन प्रणाली शुरू करने को प्राथमिकता दी थी ताकि सड़कों पर कारों का सैलाब कम किया जा सके। तब बात उठी थी कि एक दिशा में और एक ऑफिस की तरफ जाने वाले लोग कार शेयर करके चलें। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। विडंबना यह है कि महानगरों व अन्य शहरों में जहां कुछ इलाकों में पेयजल का संकट बना रहता है, वहीं दूसरे पॉश इलाकों मे लॉन सींचने, कार धोने और स्वीमिंग पूलों के लिये पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है। अकसर कहा जाता है कि कुदरत ने हर व्यक्ति के लिए हवा, पानी व भोजन उपलब्ध कराया है, लेकिन इनके असमान वितरण व अमीरी के दखल के चलते, गरीब के साथ न्याय नहीं हो पाता है। अमीर होना बुरा नहीं है लेकिन उसकी अमीरी की कीमत गरीब को न चुकानी पड़े।

अनूठे संसदीय महारथी

जेटलीजी जैसे नौजवान आपातकाल के दौरान 19 महीने तक मीसा में तिहाड़ जेल में बंद हुए तो उसी सेल में अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और केआर मलकानी जैसे दिग्गज कैदी भी थे। 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी तो अरुण जेटली ने वकालत पर अपने को केंद्रित किया। उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालयों में आरंभिक दौर में ही उन्होंने राष्ट्रीय ख्याति हासिल की। 1989 में वे वरिष्ठ एडवोकेट बने। उनके पास न्यायिक क्षेत्र में ऊंचाइयों पर जाने के बहुत मौके थे मगर राजनीति उनको अपनी ओर खींच रही थी। 1989 में वे सबसे कम उम्र में अपर महान्यायवादी बने। भाजपा संगठन में 1991 के बाद अरु ण जेटली अपनी योग्यता और सक्षमता के कारण लगातार अपनी हैसियत बरकरार रखने में सफल रहे। कानून के गहरे जानकार होने के साथ जेटली ने संसद के दोनों सदनों में अपने कामकाज से गहरी छाप छोड़ी। वे चार बार उच्च सदन के सदस्य बने और अभी भी उत्तर प्रदेश से राज्य सभा के सदस्य थे।

भाजपा के दिग्गज नेता, विख्यात संसदविद् और पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली का जिस उम्र में निधन हुआ है, उस उम्र के तमाम राजनेता विभिन्न दलों में हैं, लेकिन शायद ही कोई अरुण जेटली जैसा हो। वे कोई राजनीतिक विरासत लेकर नहीं आए थे बल्कि अपनी योग्यता, क्षमता और प्रतिभा से अपनी जगह खुद बनाते हुए अपने दमखम पर देश के सबसे कद्दावर नेताओं की पंक्ति में खड़े हुए। शायद यही वजह है कि 66 साल की उम्र में उनका जाना सत्ता पक्ष या विपक्ष ही नहीं आम जन को भी बहुत अखरा है। अपने कामकाज से जेटली ने जितनी लंबी लकीर खींची है, वहां तक पहुंच पाना सहज नहीं है। यह उनकी प्रतिभा ही थी कि वे अटलजी, अडवाणीजी ही नहीं नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की भी पसंद बने रहे और संकट के दौर में सारे अहम दायित्व उन्होंने संभाले। संसद हो या संसद के बाहर अरुण जेटली को जो दायित्व मिला उसमें वे खरे उतरे।अरुण जेटली के साथ मेरी जान-पहचान 1989-90 के दिनों में बनी थी, जब दिल्ली में वीपी सिंह के नेतृत्व में साझा सरकार को भाजपा भी समर्थन दे रही थी। तब से एक पत्रकार के तौर पर उनकी संसद की भूमिका को करीब से देखता रहा हूं और उस दृश्य का भी गवाह रहा जब उनको सर्वोत्कृष्ट सांसद का पुरस्कार मिला। वे संसद में कुछ भी बोलने के पहले वैसे ही तैयारी करते थे जैसे किसी केस के लड़ने के दौरान। चर्चा में हस्तक्षेप भी पूरी तैयारी से करते थे। भारतीय राजनीति में वे उन चंद नेताओं में शुमार हैं, जो लगातार पढ़ने-लिखने के साथ लोगों से संवाद बनाए रखते थे। राष्ट्रीय स्तर की पहचान तो वे अपने राजनीति के शैशवकाल में ही बना चुके थे। दिल्ली विविद्यालय छात्र संघ का अध्यक्ष बनना उस दौर में राष्ट्रीय क्षितिज पर आने के लिए काफी होता था। लेकिन जेटली जब छात्र या छात्र नेता रहे तो बेहतरीन विद्यार्थी के रूप में उनकी प्रतिष्ठा रही। जितने वे पढ़ाकू रहे उतने ही बेहतरीन वक्ता। छात्रों में अपनी लोकप्रियता की बदौलत ही जेटली ने उस दौर में चुनाव जीता जब इंदिरा गांधी की जयकारा का दौर था। लोक नायक जयप्रकाश नारायण ने उनकी योग्यता और सक्षमता देखते हुए ही छात्र और युवा संगठनों की राष्ट्रीय समिति का संयोजक बनाया। जेटलीजी जैसे नौजवान आपातकाल के दौरान 19 महीने तक मीसा में तिहाड़ जेल में बंद हुए तो उसी सेल में अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और केआर मलकानी जैसे दिग्गज कैदी भी थे। 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी तो अरुण जेटली ने वकालत पर अपने को केंद्रित किया। उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालयों में आरंभिक दौर में ही उन्होंने राष्ट्रीय ख्याति हासिल की। 1989 में वे वरिष्ठ एडवोकेट बने। उनके पास न्यायिक क्षेत्र में ऊंचाइयों पर जाने के बहुत मौके थे मगर राजनीति उनको अपनी ओर खींच रही थी। 1989 में वे सबसे कम उम्र में अपर महान्यायवादी बने।

भाजपा संगठन में 1991 के बाद अरु ण जेटली अपनी योग्यता और सक्षमता के कारण लगातार अपनी हैसियत बरकरार रखने में सफल रहे। कानून के गहरे जानकार होने के साथ जेटली ने संसद के दोनों सदनों में अपने कामकाज से गहरी छाप छोड़ी। वे चार बार उच्च सदन के सदस्य बने और अभी भी उत्तर प्रदेश से राज्य सभा के सदस्य थे। लेकिन उच्च सदन में नेता सदन, नेता विपक्ष और तमाम भूमिकाओं में रहते हुए उन्होंने अपने शानदार कामकाज और बेहतरीन सारगद्गभत भाषणों से पूरे देश को प्रभावित किया। भारत सरकार के मंत्री और खास तौर पर वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने बहुत से अहम फैसलों को अंजाम दिया और संसद में भी वे जितनी तैयारी से आते थे बाकी मंत्री वैसी तैयारी से नहीं दिखे। कठिन से कठिन सवाल में भी किसी ने उनको कभी फंसते नहीं देखा। उनको भारतीय राजनीति, अर्थनीति, न्यायिक पक्ष और बहुत से क्षेत्रों पर गहरी समझ थी और नियत्रंण समझ ने भी उनकी राजनीतिक काया का विस्तार किया। संसदीय गरिमा को बढ़ाने के लिए अपने योगदान के लिए जेटलीजी हमेशा याद रखे जाएंगे। सभी दलों के नेताओं के साथ उनके गहरे रिश्ते थे और वे उनका काफी सम्मान करते थे। वे संसद में सर्वसुलभ नेताओं में थे और पत्रकारों के लिए भी सेंट्रल हाल में सबसे व्यस्त दौर में भी सुलभ रहते थे। कठिन से कठिन दौर में भी वे संयम नहीं खोते थे। सरकार में सबसे पहले उनको 1999 के दौरान सूचना और प्रसारण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का दायित्व मिला। बाद में नवगठित विनिवेश मंत्रालय का दायित्व भी उनको सौंपा गया। कुछ समय बाद ही वे विधि, न्याय और कंपनी मामलों के मंत्री बने। इसके बाद जहाजरानी मंत्री का दायित्व भी उनके पास रहा। उस दौरान देश की पहली अंतरदेशीय जल परिवहन नीति बनाने में उनका अहम योगदान रहा। वे पहले नेता थे, जिन्होंने इस बात को सोचा कि केवल रेलवे और सड़कों को फोकस करने से काम नहीं चलेगा बल्कि परिवहन के समन्वित विकास पर जोर देना होगा। वे हमेशा तैयारी के साथ अपनी बात रखते थे। यूपीए शासन के दौरान संसद के 60 साल और जस्टिस सौमित्र सेन पर चले महाभियोग के दौरान जेटली के भाषण को सबने सराहा। लोकपाल और लोकायुक्त संबंधी सलेक्ट कमेटी में भी उनका काफी बड़ा योगदान रहा। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी तो जेटली को पहले रक्षा मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया। लेकिन सारे समीकरणों और आर्थिक सुधारों की चुनौतियों को देखते हुए प्रधानमंत्री ने उनको वित्त मंत्री का दायित्व सौंपा जो उन्होंने बहुत सजगता के साथ संभाला। उनके ही नेतृत्व में रेल बजट का भी आम बजट में विलय होने के साथ कई तरह के सुधारों का सूत्रपात हुआ और सब दलों को भरोसे में लेकर जीएसटी को भी साकार किया गया।

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो!

अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं।

वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो: प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

आपके पत्र

कदावर नेता थे जेटली

जहां लोग नोटबंदी के बाद से ही परेशान रहने लगे थे, वहीं विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। ऐसे में ब्लॉग्स और प्रेसवार्ता के माध्यम से अरु ण जेटली ने ही विरोधियों से लोहा लिया था और बेबाकी से अपनी बात रखी थी। जेटली ने लोगों को कैशलेस होने और डिजिटल भुगतान करने के फायदे भी बताए। इसी के समकालीन जीएसटी जितनी तेजी से देश की पटरी पर दौड़ रहा है तो उसका श्रेय भी जेटली को ही जाता है। क्योंकि पिछली सरकारों में जीएसटी लागू करने की सिर्फ बातें ही हुई थीं। इसके अतिरिक्त मुद्रा योजना, जन-धन योजना, क्रेडिट गारंटी योजना, टैक्स सुधार, फर्जी कंपनियों पर नकेल व दिवालिया कानून लाने जैसे अहम फैसलों के लिए उन्हें याद किया जाएगा।

केके शर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

समाचार सार

घंघारी गांव में ग्रामीणों के बीच खादी कंबलों का हुआ वितरण

कोडरमा : कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत डीवीसी कोडरमा ताप विद्युत स्टेशन (डळढर) ने अपने जलग्रहण क्षेत्र की करियावां पंचायत अंतर्गत घंघारी गांव में जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच खादी कंबलों का वितरण कर मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की। कड़ाके की ठंड के बीच यह पहल ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई, जिससे सैकड़ों परिवारों को सर्दी से बचाव का सहारा मिला। कार्यक्रम में स्थानीय स्वयंसेवक शशि पांडेय एवं अमर कुमार सिंह की सक्रिय भागीदारी रही, जिनके सहयोग से वितरण कार्य व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संपन्न हुआ। पूरे कार्यक्रम का कुशल समन्वय अनुपम तिवारी, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन/सीएसआर) द्वारा किया गया, जिन्हें संजय कुजूर एवं अश्विनी कुमार का सराहनीय सहयोग मिला। ग्रामीणों ने डीवीसी केटीपीएस की इस सामाजिक पहल की जमकर प्रशंसा करते हुए इसे जनकल्याण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम बताया।

स्वामी विवेकानंद जयंती बड़े ही धूम धाम से मनाया गया

डोमचांच : वार्ड नंबर 11 में संचालित द हेरिटेज एकेडमी स्कूल में सोमवार को बड़े ही धूमधाम से 163 वा स्वामी विवेकानंद जयंती मनाया गया । वहीं प्राचार्य रंजन सिंह ने बच्चो को बताया कि स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी सन 1863 (इतिहासकारो के अनुसार मकर संक्रांति संवत 1920)को कोलकाता में एक कुलीन कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके बचपन का घर का नाम वीरेश्वर रखा गया, किन्तु उनका औपचारिक नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था पिता विश्वनाथ दत्त कलकत्ता हाईकोर्ट के एक प्रसिद्ध वकील थे। दुर्गाचरण दत्ता, संस्कृत और फारसी के विद्वान थे उन्होंने अपने परिवार को 25 वर्ष की आयु में छोड़ दिया और एक साधु बन गए। उनकी माता भुवनेश्वरी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं।उनका अधिकांश समय भगवान शिव की पूजा-अर्चना में व्यतीत होता था। नरेन्द्र के पिता और उनकी माँ के धार्मिक, प्रगतिशील व तर्कसंगत रवैया ने उनकी सोच और व्यक्तित्व को आकार देने में सहायता की मौके पर विवेकानंद के विचारों और आदर्शों को हर साल की भाती इस वर्ष भी याद करके दोहराया गया तत्पश्चात उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया गया इस दौरान बच्चो को विवेकानंद जी के विचारों को और राष्ट्र के प्रति प्रेम को याद दिलाया गया और विद्यालय के बच्चो के बीच उनके आदर्श ,प्रेरणा के जानकारी दी गई इस दौरान निर्देशक उमेश सिंह,शिक्षक सूरज कुमार,शिक्षिका कविता सिंह विद्यार्थी। प्रिंस कुमार,सौरव ,प्रियतम ,आर्यन, ,रौनक, इनामुल अंसारी, आदित्य दास,अमर यादव, सौरव कुमार,आर्यन यादव, सोनिका,सोनम, अनु प्रिया, परी ,काव्या,पियूष,रोशन,आदित्य,अभिनंदन,कोमल, अन्नू प्रिया, इति श्री रंजन, रुचि, राजवीर,रानी, आदि सैकड़ो विद्यार्थी मौजूद थे।

राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास ऊर्जा का प्रतीक है : कौशर

साहिबगंज : मेरा युवा भारत साहिबगंज के तत्वावधान में साहिबगंज कार्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अमन कुमार होली, मो. कौशर अंसारी और राहुल कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आत्मसात करने का संदेश दिया।मो. कौशर अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, ऊर्जा और चेतना का प्रतीक है।जो हर वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाया जाता है।वहीं अमन कुमार होली ने अपने संबोधन में कहा कि 2026 में तेजी से आगे बढ़ते भारत के लिए यह आवश्यक है कि युवा चरित्रवान, साहसी एवं जिम्मेदार बनें। स्वामी विवेकानंद का यह विश्वास आज भी प्रासंगिक है कि अनुशासित और आत्मबल से भरे युवा ही राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते है।कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया गया।

दिसोम सोहराय पर्व का भव्य आयोजन निकाली गई सांस्कृतिक शोभायात्रा

साहिबगंज/बरहरवा : आदिवासी समाज के प्रमुख पर्व दिसोम सोहराय के अवसर पर रविवार को बरहरवा में भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा बी.एस.के.कॉलेज बरहरवा के तत्वावधान में आयोजित की गई। नौजिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी युवक-युवतियां पारंपरा वेशभूषा में शामिल हुए एवं शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए गए,जिससे पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में रंग गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोककला को संरक्षित व प्रचारित करना रहा।बैनर पर ह्लदिसोम सोहराय पर्व 2026ह्वका उल्लेख करते हुए आदिवासी सांस्कृतिक परिषद की ओर से आयोजन की जानकारी दी गई।शहर के मुख्य बाजार मार्गों से गुजरते हुए शोभायात्रा ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।रास्ते भर स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की और उत्साहपूर्वक सहभागिता दिखाई। आयोजन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में स्वयंसेवकों की अहम भूमिका रही।आयोजकों ने बताया कि दिसोम सोहराय पर्व आदिवासी समाज की एकता,प्रकृति-पूजन और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है,जिसे हर वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।कार्यक्रमो को लेकर स्थानीय पुलिस प्रसाशन भी सतर्कता के साथ शोभा यात्रा को व्यवस्थित करते हुए सफल बनाने में जुटी रही।

जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी कदम है : अखिल

संवाददाता

साहिबगंज :नशा मुक्त भारतह्व के राष्ट्रीय संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में साहेबगंज जिले ने एक और मजबूत पहल की है। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार डालसा साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित जागरूकता सप्ताह का समापन राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर किया गया।यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण - नालसा की डॉन योजना, 2025 के तहत संचालित किया जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, समय पर काउंसलिंग उपलब्ध कराना जरूरतमंदों को पुनर्वास की ओर प्रेरित करना है।समापन अवसर पर व्यवहार न्यायलय स्थित लोक अदालत कक्ष में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने युवाओं से नशे से पूर्णतः दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने

स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायी वचन उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए को दोहराते हुए कहा कि नशा युवाओं की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक शक्ति को कमजोर करता है।जबकि शिक्षा, खेलकूद, अनुशासन और सकारात्मक सोच उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। उन्होंने बताया कि नशे की लत केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। इसलिए युवाओं को सही समय पर मार्गदर्शन, कानूनी जानकारी और काउंसलिंग मिलना अत्यंत आवश्यक है।जागरूकता सप्ताह के दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पारा लीगल वॉलंटियर्स स्वयंसेवी संस्था तथा विधिक सेवा से जुड़े अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नशे से जुड़े सामाजिक, स्वास्थ्य और कानूनी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशे से संबंधित प्रमुख कानूनों की भी जानकारी दी गई, जिनमें मुख्य रूप से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस अधिनियम, 1985, जिसके तहत मादक पदार्थों के उत्पादन, बिक्री, भंडारण और सेवन को गंभीर अपराध माना गया है तथा कठोर दंड का प्रावधान है। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम, 2015, जिसके अंतर्गत नाबालिगों को नशे की ओर धकेलना दंडनीय अपराध है। भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर नशे से उत्पन्न अव्यवस्था और अपराधों पर भी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि नशे की लत से पीड़ित व्यक्तियों के लिए कानूनी सहायता, परामर्श एवं पुनर्वास सेवाएं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। यह अभियान केवल कानून के डर से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण के लिए चलाया जा रहा है।अंत में यह बताया गया कि डॉन योजना के तहत चलाया गया यह जागरूकता सप्ताह साहिबगंज जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी कदम है जो भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

बी आर इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : बी आर इंटरनेशनल स्कूल में विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक ओम प्रकाश राय, प्राचार्या डॉ राखी कुमारी शर्मा प्रशासक सुनील कुमार, उप-प्राचार्य नवल किशोर आनंद एवं समन्वयक नितिन कुमार मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्या डॉ राखी शर्मा ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, अनुशासित एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि यदि युवा सही दिशा में अपनी ऊर्जा का उपयोग करें, तो देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाया जा सकता है।प्रशासक सुनील कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि युवा अवस्था सीखने और खुद को निखारने का सबसे महत्वपूर्ण समय है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों को भी अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। वहीं उप-प्राचार्य नवल किशोर आनंद ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस हमें यह संदेश देता है कि कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच से सफलता प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर छात्रों के बीच भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 7, 8, 9 एवं 10 के छात्र- छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिसमें प्रथम जिकरा परवीन द्वितीय सोनम और सोहम तथा तृतीय स्थान पर पलक सिंह और पीयूष पांडेय रहे।प्रतिभागियों ने अपने प्रभावशाली भाषणों के माध्यम से युवाओं की भूमिका, राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान तथा स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सराहा। कार्यक्रम में शिक्षकों में लक्ष्मी कुमारी, इंद्रमणि कुमारी, फूल कुमारी, संध्या कुमारी, अनीता कुमारी, नीतू कुमारी, कामना सिन्हा, संध्या कुमारी सहित बिनोद कुमार सिंह, तबारक अंसारी, नागेंद्र कुमार सिंह, रॉकी सिंह, अजय कुमार राणा, विकास कुमार, शिवम सिंह, सोनू कुमार यादव, राजेंद्र कुमार यादव, अनुप कुमार यादव आदि शिक्षकगण भी उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। समापन अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि युवा अपने कर्तव्यों को समझते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। इस प्रकार राष्ट्रीय युवा दिवस का यह आयोजन विद्यालय में प्रेरणा, ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक बनकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं : अभिषेक

साहिबगंज: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के 12वें दिन साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर ग्राम मुखिया ग्राम पंचायत प्रतिनिधि और जीविका दीदियों के साथ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना व राहवीर योजना के तहत नेक नागरिक बनकर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को गोल्डन ऑवर में सहायता के लिए प्रेरित करना था। जबकि सभी प्रतिभागियों को संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से यातायात नियमों का पालन हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना और नशे की हालत में वाहन न चलाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में उपस्थित एम.भी.आई कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। थोड़ी सी सावधानी से अनेक अमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।जीविका दीदियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा संदेश के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

राष्ट्रसेवा की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाला आज का दिन है : रविकांत

संवाददाता

साहिबगंज:अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अभाविप साहिबगंज नगर इकाई के द्वारा 12 जनवरी राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद चौक पर स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत शहर के राज कोचिंग सेंटर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह और नगर उपाध्यक्ष रविकांत जी उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह ने की। जबकि प्रांत छात्रा प्रमुख निधि सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि12 जनवरी केवल एक तिथि नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा की दिशा में

आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाला दिन है। स्वामी विवेकानंद के विचार भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं।वहीं नगर उपाध्यक्ष रविकांत ने कहा कि युवा दिवस का उद्देश्य युवाओं को अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाने के लिए प्रेरित करना है। स्वामी विवेकानंद का जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षित और संगठित युवा ही राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर मंत्री एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री अविनाश साह ने कहा कि अभाविप सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती रही है। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता जैसे आयोजन युवाओं के बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में साहिबगंज नगर के 300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रियंका कुमारी, द्वितीय स्थान कुमारी,तृतीय स्थान अमित कुमार ने प्राप्त किया।कार्यक्रम में प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रोजीत साह, पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंदन कुमार, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, लक्ष्मी, प्रिया, माही, नीरज, आदित, ऋषव, राजा सहित अनेक अभाविप कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इस का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों को युवाओं तक पहुंचाना एवं उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। आयोजन को विद्यार्थियों व नगरवासियों से सराहना मिली।

रश्मिका मंदाना ने माना, मैं विजय देवरकोंडा से करूंगी शादी

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के रिलेशन की खबरें काफी समय से आ रही हैं। कुछ दिन पहले तो दोनों की सगाई की खबरें भी आई थीं। इसी बीच अब रश्मिका का एक स्टेटमेंट वायरल हो रहा है जिसमें वह खुद बोल रही हैं कि वह विजय से शादी करेंगी।

रश्मिका से दरअसल, ऑनेस्ट टाउनहॉल इवेंट में पूछा गया कि जितने भी एक्टर्स के साथ आपने काम किया है, आप उनमें से किसे डेट, शादी और मारना चाहोगे? इस पर रश्मिका ने कहा कि मैं नारुतो को डेट करना चाहूंगी। मैं नारुतो से ऑब्सेस हूं और शादी विजय से करूंगी। रश्मिका के इस जवाब से पूरा क्राउड हूटिंग करने लगा।

24 घंटे में 46 मिलियन व्यूज पार पेड्डी का गाना चिकिरी बना चार्टबस्टर

रामचरण स्टारर सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाले फिल्म पेड्डी का नया गाना चिकिरी रिलीज होते ही इंटरनेट पर छा गया है। रिलीज के सिर्फ 24 घंटे में इस गाने ने धमाल मचा दिया है और हर तरफ इसके ही चर्चे हैं। यह गाना अब तक 46 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है, जो इसे साल के सबसे ज्यादा देखे और पसंद किए जाने वाले गानों में से एक बनाता है। इसका रिस्पॉन्स वाकई जबरदस्त रहा है। जब से पेड्डी फिल्म की घोषणा हुई है, तब से यह लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इसके अनाउंसमेंट वीडियो से लेकर फर्स्ट लुक पोस्टर्स और टीजर की झलकियों तक, हर चीज ने सोशल मीडिया पर चर्चा, ट्रेंड और उत्साह को बढ़ाया है। अब चिकिरी के म्यूज़िक मैजिक ने इस जोश और चर्चा को और भी बढ़ा दिया है।

मशहूर संगीतकार एआर. रहमान द्वारा कंपोज किया गया यह गाना मिट्टी की खुशबू से भरे सुरों और दिल को छू जाने वाली धुनों का मेल है, जो फिल्म की जमीनी कहानी के अंदाज से बिल्कुल मेल खाता है। चिकिरी के गाने में आवाज, डांस और विजुअल प्रेजेंटेशन की खूब तारीफ हो रही है, इसकी ताजगी और सांस्कृतिक जुड़ाव को लोग दिल से पसंद कर रहे हैं।

चिकिरी की कामयाबी को फिल्म की जबरदस्त लोकप्रियता और बढ़ती उम्मीदों का बड़ा संकेत माना जा रहा है। अब जब दर्शकों की उम्मीदें पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई हैं, तो ऐसे में पेड्डी को साल की सबसे रोमांचक फिल्मों में से एक कहा जा रहा है।

बुची बाबू सना के निर्देशन और लेखन में बनी पेड्डी में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ शिवराजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे। वेंकटा सतीश किलारू द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

राजामौली की अगली फिल्म में काम करेंगी प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने कहा है कि वह एस.एस. राजामौली की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म का हिस्सा होंगी जिसका नाम संभवतः ग्लोबट्रॉटर होगा। इस फिल्म में महेश बाबू भी मुख्य भूमिका में होंगे। अभिनेत्री प्रियंका ने सोशल मीडिया पर एक लेख का स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिसमें इस परियोजना में उनकी कास्टिंग की घोषणा की गई है। यद्यपि फिल्म में उनके काम करने का अभी खुलासा नहीं किया गया है लेकिन इस खबर ने उनके प्रशंसकों के बीच उत्साह की लहर पैदा कर दी है। फिल्म के अमेरिका में वितरण को लेकर भी चर्चा चल रही है।

प्रियंका और महेश बाबू ने भी सोशल मीडिया पर फिर से फिल्म के पोस्टर को शेयर किया। उल्लेखनीय है कि प्रियंका चोपड़ा अभी हाल ही में ह्यग्लोबट्रॉटरह्ल के निर्माण के बाबत भारत आई थीं और महेश के साथ उन्होंने ऑनलाइन हल्की-फुल्की बातचीत की, जिससे फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर कयास लगाए जाने लगे।

गौरतलब है कि निर्माता जल्द ही महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा का पहला लुक जारी करने वाले हैं। इस साल की शुरूआत में उन्होंने एक हैशटैग के साथ ग्लोबट्रॉटर के पोस्टर को जारी करके अपने प्रशंसकों को उत्साहित किया था, लेकिन इससे यह पुष्टि नहीं होती थी कि यह आधिकारिक शीर्षक है या नहीं।

महेश बाबू ने भी सोशल मीडिया पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, आप सभी के प्यार के लिए धन्यवाद। मैं भी आप सभी की तरह नवंबर 2025 का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं ताकि हम साथ मिलकर ग्लोबट्रॉटर का आनंद ले सकें। हालांकि फिल्म की कहानी के विवरण को अभी बताए जाने से इनकार किया जा रहा है। लेकिन राजामौली की इसे अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक बताया जा रहा है।

श्रेया घोषाल और जसपिंदर नरूला 23 साल बाद 'मोरे पिया' के लिए फिर आये इंडियन आइडल पर साथ

इंडियन आइडल के ग्रैंड प्रीमियर ने सभी संगीत प्रेमियों के लिए एक शानदार यादगार पल लेकर आया है, जब श्रेया घोषाल और जसपिंदर नरूला ने शो के ग्रैंड प्रीमियर पर देवदास के प्रसिद्ध गाने मोरे पिया को फिर से एक साथ गाया – पूरे 23 साल बाद इस क्लासिक डुएट को दोहराते हुए।

मूल रूप से इस्माइल दरबार द्वारा संगीतबद्ध और समीर अंजान के लिखे बोलों वाला मोरे पिया आज भी देवदास (2002) फिल्म के सबसे प्रिय गीतों में से एक माना जाता है। इसी फिल्म से श्रेया घोषाल ने बॉलीवुड में बतौर पार्श्वगायिका अपनी पहचान बनाई थी। इन दो शक्तिशाली आवाजों ने मंच पर इस सदाबहार धुन को फिर से जिया, जिसमें पुरानी यादों के साथ लाइव संगीत की जादूगरी देखने को मिली।

ग्रैंड प्रीमियर एपिसोड में खास तौर पर शामिल हुईं जसपिंदर नरूला ने कहा , जो लोग कहते

हैं कि असली गायकी अब टीवी पर नहीं रही – उन्होंने शायद इंडियन आइडल नहीं देखा! इंडियन आइडल हमेशा से मेरा पसंदीदा सिंगिंग रियलिटी शो रहा है। हर सीजन यह शो ऐसे बेहतरीन टैलेंट्स को सामने लाता है कि मैं हर बार दंग रह जाती हूँ। ऐसे शानदार गायकों के साथ मंच साझा करना मेरे लिए वाकई गर्व की बात है। इस शो को जितनी अद्भुत आवाजें मिलती हैं, वो अविश्वसनीय हैं।

इंडियन आइडल का ग्रैंड प्रीमियर इस शनिवार और रविवार रात 8 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लीव पर देखना न भूलें!

एक दूजे के प्यार में फोर मोर शॉट्स प्लीज के स्टार्स कीर्ति कुल्हारी और राजीव सिद्धार्थ

फोर मोर शॉट्स प्लीज! एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी यूं तो अपने काम को लेकर दर्शकों के बीच काफी फेमस रहती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस नई वजह को लेकर सुर्खियों में हैं और कारण है कीर्ति की एक्टर राजीव सिद्धार्थ की बढ़ती नजदीकियां। हाल ही में दोनों की एक साथ की तस्वीरें देख उनके अफेयर के चर्चे और भी तेज हो गए हैं। कीर्ति ने हाल ही में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह और राजीव कार में साथ बैठे दिखाई दिए। फोटो में दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए नजर आए। इस तस्वीर के साथ कीर्ति ने लिखा- प्यार... आपका समय अच्छा बीतेगा। जब तक हम फिर से न मिलें। हालांकि कीर्ति और राजीव ने अपने रिश्ते को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट्स ने फैंस के बीच चर्चाओं को हवा दे दी है। कुछ यूजर्स का कहना है कि दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं, जबकि कुछ का मानना है कि यह दोस्ती प्यार में बदल चुकी है।

सेट पर हुई दोस्ती से शुरू हुई कहानी: मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो के सेट पर साथ काम करते हुए कीर्ति और राजीव के बीच गहरी दोस्ती हो गई थी। समय के साथ दोनों के बीच की बॉन्डिंग और मजबूत होती गई और अब दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। कहा जा रहा है कि शूटिंग खत्म होने के बाद भी दोनों एक-दूसरे से मिलते रहते हैं और साथ में क्वालिटी टाइम बिताते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें : कीर्ति कुल्हारी को फोर मोर शॉट्स प्लीज!, पिंक , ह्यूमन और क्रिमिनल जस्टिस जैसी वेब सीरीज और फिल्मों में शानदार काम के लिए जाना जाता है। वहीं, राजीव सिद्धार्थ ह्यफोर मोर शॉट्स प्लीज! , फिलहाल 2 और कई थिएटर प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने किया संन्यास का किया एलान भारत के खिलाफ आखिरी सीरीज, फिर क्रिकेट को अलविदा

नई दिल्ली :ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने फैसले से चौंका दिया है. इस दिग्गज विकेटकीपर ने साफ कर दिया है कि वह 2026 महिला टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेंगी. एलिसा हीली ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का एलान कर दिया है. हीली महिला टी20 विश्व कप का हिस्सा नहीं होंगी. वह भारत के खिलाफ फरवरी-मार्च में होने वाली घरेलू सीरीज के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह देंगी।

एलिसा हीली ने साफ किया है कि वह इस साल होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी हिस्सा नहीं लेंगी. पर्थ में होने वाली वनडे सीरीज और एक डे-नाइट टेस्ट में वह ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी. यह उनके करियर की आखिरी सीरीज होगी।

आखिरी सीरीज होगी.₹ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने उन्हें क्रिकेट की ऑल-टाइम ग्रेट खिलाड़ियों में से एक बताया और ऑस्ट्रेलियन महिला क्रिकेट में उनके योगदान की सराहना की।

बता दें कि एलिसा हीली ने 2010 में 19 साल की उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था. उन्हें महिला क्रिकेट की सबसे खतरनाक बल्लेबाजों और बेहतरीन विकेटकीपरों में गिना जाता है. वह आठ आईसीसी विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीमों का हिस्सा रहीं, जिसमें छह टी20 और दो वनडे विश्व कप शामिल हैं. वह 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ऑस्ट्रेलिया की गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम की भी सदस्य थीं।

मेग लैनिंग के संन्यास के बाद 2023 में हीली को ऑस्ट्रेलिया की फुल-टाइम कप्तान बनाया गया था. कप्तान के तौर पर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि इंग्लैंड के खिलाफ 16-0 से मल्टी-फॉर्मेट एशेज वाइटवॉश रही. उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 2024 महिला टी20 विश्व कप और 2025 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई. उनके नाम विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने और अंतरराष्ट्रीय टी20 में उनके नाम रिकॉर्ड 126 डिसमिसल हैं.

ऑस्ट्रेलिया के लिए हीली ने अब तक 162 टी20, 126 वनडे और 11 टेस्ट मैच खेले हैं. बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए 11 सीजन में उन्होंने 3,000 से अधिक रन बनाए हैं. हीली के नाम दो बीबीएल खिताब हैं. वीमेंस प्रीमियर लीग में वह यूपी वॉरियर्स की कप्तान भी रह चुकी हैं।

औषधीय गुणों से भरा है आंवला

आयुर्वेद के अनुसार आंवला एक ऐसा फल है, जिसके अनगिनत लाभ हैं। आंवला न सिर्फ त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद है, बल्कि कई तरह के रोगों के लिए औषधि के रूप में भी काम करता है। आंवला का प्रयोग कई तरह से किया जाता है जैसे आंवला जूस, आंवला पाउडर, आंवला अचार आदि। आंवला में प्रचुर मात्रा में विटामिन, मिनरल और न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो आंवला को अनमोल गुणों वाला बनाते हैं। आंवले में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है और यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जिसके कारण इसके कई औषधीय गुण हैं ।

आंवला को आयुर्वेद में अमृतफल या धात्रीफल कहा गया है। वैदिक काल से ही आंवला का प्रयोग औषधि के रूप में किया जा रहा है। आयुर्वेद के अनुसार आंवला एक ऐसा फल है, जिसके अनगिनत लाभ हैं। आंवला न सिर्फ त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद है, बल्कि कई तरह के रोगों के लिए औषधि के रूप में भी काम करता है। आंवला का प्रयोग कई तरह से किया जाता है जैसे आंवला जूस, आंवला पाउडर, आंवला अचार आदि। आंवला में प्रचुर मात्रा में विटामिन, मिनरल और न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो आंवला को अनमोल गुणों वाला बनाते हैं। आंवले में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है और यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जिसके कारण इसके कई औषधीय गुण हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, पाचन में सुधार करता है और बालों और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके अतिरिक्त यह डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल और हृदय स्वास्थ्य को नियंत्रित करने में मदद करता है तथा आंखों की रोशनी बढ़ाता है। आंवला के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

प्रतिरक्षा को बढ़ाता है: आंवला में प्राकृतिक पदार्थ होते हैं जो प्रतिरक्षा के लिए अच्छे होते हैं। नियमित रूप से आंवला का सेवन प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है और खाली पेट यह अधिक प्रभावी होता है। आंवला में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन और पोषक तत्त्व होते हैं जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। अच्छी प्रतिरक्षा मौसमी फ्लू या बीमारियों के संक्रमण से लड़ने में सहायता करती है।

बालों और त्वचा के लिए: आंवला बालों को झड़ने और सफेद होने से रोकता है, बालों को मजबूत बनाता है और डैंड्रफ को कम करता है। यह त्वचा को चमकदार बनाने और कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देने में भी मदद करता है।

पाचन में सुधार करता है : इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को मजबूत करता है और कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल: यहह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने और इंसुलिन के प्रति शरीर की संवेदनशीलता को बढ़ाने में मदद करता है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो सकता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए: आंवला कैरोटिन से भरपूर होता है जो दृष्टि संबंधी समस्याओं पर अपने शक्तिशाली प्रभाव के लिए जाना जाता है। आंवले और शहद से बना यह मिश्रण दृष्टि, निकट दृष्टि दोष और मोतियाबिंद में सुधार करने में मदद करता है। आंवला आंखों की रोशनी बढ़ाने और जलन व खुजली जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

हड्डियां होती है मजबूत: इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाता है और आस्टियोअर्थराइटिस जैसी समस्याओं में भी राहत दे सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर: आंवला में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करते हैं। एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करके एंटी एजिंग में बहुत उपयोगी होती है। यह फ्री रेडिकल्स को कम करके शरीर को डिटॉक्सीफाई करने और शरीर को साफ करने में भी मदद करता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद: आंवला शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे त्वचा के दाग-धब्बे कम होते हैं। त्वचा साफ और कांतिमय बनती है।

बदलते मौसम में त्वचा का रखें खास ख्याल

जब मौसम बदलता है गर्म से ठंडा या नमी से शुष्क, तो सबसे पहले आपकी त्वचा पर इसका असर पड़ता है। तापमान में अचानक बदलाव, प्रदूषण और नमी में उतार-चढ़ाव त्वचा की प्राकृतिक नमी छीन सकते हैं, जिससे यह रूखी और बेजान दिखने लगती है। साल भर अपनी त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाए रखने का राज मौसम के अनुसार अपनी त्वचा की देखभाल की रूटीन में बदलाव लाना है। अपनी आदतों और उत्पादों में कुछ जरूरी बदलाव करके, आप अपनी त्वचा को रूखेपन, मुंहासे और जलन से बचा सकते हैं। आइए बदलते मौसम में अपनी त्वचा की देखभाल के कुछ असरदार तरीकों पर नजर डालें।

अपनी त्वचा को रखें हाइड्रेटेड : हाइड्रेशन स्वस्थ त्वचा की नींव है। बदलते मौसम में, तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण आपकी त्वचा तेजी से नमी खो देती है। आंतरिक नमी बनाए रखने के लिए खूब पानी पिएं, दिन में कम से कम 8-10 गिलास। बाहरी रूप से, अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार हाइड्रेटिंग म्वाइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। रूखी त्वचा के लिए, शिया बटर या हायलूरोनिक एसिड वाला म्वाइस्चराइजर चुनें, तैलीय त्वचा के लिए, हल्के नॉन कॉमेडोजेनिक म्वाइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। हाइड्रेटिंग टोनर या फेशियल मिस्ट का इस्तेमाल भी आपकी त्वचा को पूरे दिन तरोताजा रखने में मदद कर सकता है।

माइल्ड क्लींजर का करें इस्तेमाल : कई लोग कठोर साबुन या क्लींजर इस्तेमाल करने की गलती करते हैं जो त्वचा से प्राकृतिक तेल निकाल देते हैं। बदलते मौसम में, इससे त्वचा में अत्यधिक रूखापन या तेल असंतुलन हो सकता है।

ऐसे सौम्य, सल्फेट मुक्त क्लींजर चुनें जो आपकी त्वचा के पीएच स्तर को बनाए रखें। एलोवेरा, शहद और खीरा जैसी सामग्री आपकी त्वचा को मुलायम बनाए रखते हुए उसे साफ करने में मदद करती है। अपनी त्वचा को ज्यादा रूखा बनाए बिना गंदगी और प्रदूषकों को हटाने के लिए दिन में दो बार सुबह और रात,अपना चेहरा धोएं।

सनस्क्रीन लगाना न भूलें: कई लोग मानते हैं कि सनस्क्रीन सिर्फ गर्मियों के लिए है, लेकिन सच्चाई यह है कि यूवी किरणें साल भर आपकी त्वचा को प्रभावित करती हैं। बादलों वाले या सर्दियों के दिनों में भी, यूवी किरणों के संपर्क में आने से समय से पहले बुढ़ापा, टैनिंग और काले धब्बे हो सकते हैं। बाहर निकलने से 15-20 मिनट पहले हमेशा ब्रॉड स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन (एसपीएफ 30 या उससे ज्यादा) लगाएं। अगर आप लंबे समय तक बाहर रहते हैं, तो हर 2-3 घंटे में दोबारा लगाएं। तैलीय या मुंहासे वाली त्वचा के लिए जैल आधारित सनस्क्रीन का उपयोग करें, जबकि शुष्क त्वचा के लिए क्रीम आधारित फामूर्ले से लाभ होता है।

एंटीऑक्सीडेंट युक्त फूड्स शामिल करें: स्वस्थ त्वचा अंदर से शुरू होती है। मौसमी बदलाव अकसर शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाते हैं, जिससे त्वचा बेजान और मुंहासे हो जाते हैं। अपने आहार में एंटीऑक्सीडेंट युक्त फूडस जैसे फल, सब्जियां, मेवे और बीज शामिल करें। विटामिन सी (संतरे, आंवला और कीवी में पाया जाता है) कोलेजन उत्पादन को बढ़ाता है, जबकि विटामिन ई और ओमेगा-3 फैटी एसिड (बादाम, अखरोट और अलसी में पाए जाते हैं) प्राकृतिक चमक बनाए रखने में मदद करते हैं। अत्यधिक कैफीन, तले हुए फूड्स और चीनी से बचें, जो त्वचा में डिहाइड्रेशन और जलन पैदा कर सकते हैं।

नियमित रूप से एक्सफोलिएट करें: मौसम परिवर्तन के दौरान आपकी त्वचा बेजान दिखने का एक मुख्य कारण मृत त्वचा का जमाव है। नियमित एक्सफोलिएशन मृत कोशिकाओं को हटाता है, रोमछिद्रों को खोलता है और ब्लड सकुर्लेशन में सुधार करता है। सप्ताह में एक या दो बार कॉफी, चावल के आटे या ओटमील जैसी प्राकृतिक सामग्री से बने हल्के स्क्रब का प्रयोग करें।

किडनी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है ये आदतें

नहीं किया कंट्रोल तो हो सकता है डैमेज, डॉक्टरों ने दी चेतावनी

किडनी की बीमारियां आजकल तेजी से बढ़ रही हैं और यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ पानी की कमी ही नहीं, बल्कि कुछ रोजमर्रा की आदतें भी किडनी पर बुरा असर डाल सकती हैं। अगर समय रहते इन आदतों पर ध्यान न दिया जाए तो किडनी खराब हो सकती है और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं।

ज्यादा नमक और चीनी का सेवन: हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, जरूरत से ज्यादा नमक खाने से किडनी पर दबाव पड़ता है और यह धीरे-धीरे डैमेज होने लगती है। इसके साथ ही अधिक चीनी का सेवन भी किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। इसलिए भोजन में नमक और चीनी की मात्रा नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है।

धूम्रपान और शराब की आदत: जो लोग धूम्रपान करते हैं, उनकी किडनी प्रभावित हो सकती है। शराब का अधिक सेवन भी किडनी को नुकसान पहुंचाता है और इसके साथ ही पूरी सेहत पर भी बुरा असर डालता है। किडनी की सेहत बनाए रखने के लिए इन आदतों से दूरी बनाना जरूरी है।

पानी की कमी और मूत्र रोकना: किडनी की सेहत के लिए पर्याप्त पानी पीना बेहद जरूरी है। अगर आप लंबे समय तक मूत्र रोकते हैं या पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते, तो किडनी पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

दर्द निवारक दवाइयों का अत्यधिक उपयोग: कुछ पेन किलर्स यानी दर्द निवारक दवाइयां भी किडनी डैमेज का कारण बन सकती हैं। इसलिए इन दवाइयों का सेवन केवल जरूरत पड़ने पर और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें।

विशेषज्ञ की सलाह: किडनी की सुरक्षा के लिए अपनी आदतों में सुधार करना बेहद जरूरी है। संतुलित भोजन लें, पर्याप्त पानी पीएं, धूम्रपान और शराब से दूर रहें, और दवाइयों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें। इन सावधानियों को अपनाकर आप अपनी किडनी को स्वस्थ और लंबे समय तक मजबूत रख सकते हैं।

सर्दियों में रामबाण है मेथी

सर्दियों के मौसम में मिलने वाली कई पत्तेदार सब्जियां न केवल पाचन को दुरुस्त करती हैं, बल्कि वजन को कंट्रोल करने, डायबिटीज और बीपी को सामान्य रखने में भी मददगार होती हैं। इन्हीं में से एक है मेथी का साग जो स्वाद और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद होता है

पत्तेदार सब्जियों का सेवन सेहत के लिए अमृत समान होता है। सर्दियों के मौसम में मिलने वाली कई पत्तेदार सब्जियां न केवल पाचन को दुरुस्त करती हैं, बल्कि वजन को कंट्रोल करने, डायबिटीज और बीपी को सामान्य रखने में भी मददगार होती हैं। इन्हीं में से एक है मेथी का साग जो स्वाद और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद होता है। हम साल भर किसी न किसी रूप में मेथी का सेवन करते है, कभी मेथी दाने के रूप में, तो कभी सूखी कसूरी मेथी के रूप में, जो हर तरह से शरीर को फायदा पहुंचाती है। सर्द मौसम में सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में शरीर को अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है। ऐसे में मेथी का सेवन बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। मेथी के पत्ते और बीज दोनों में औषधीय गुण होते हैं, इन्हीं गुणों की वजह से इसे सुपर फूड की श्रेणी में रखा गया है। मेथी के साग में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस, पोटाशियम, जिंक, मैगनीज, विटामिन सी, विटामिन बी, सोडियम और काबोर्हाइड्रेट भरपूर होता है, जो इम्युनिटी मजबूत करता है और बॉडी को हेल्दी रखता है। मेथी की पत्तियां डायबिटीज फ्रेंडली हैं, जो न सिर्फ खाने में मजेदार लगती हैं, बल्कि ब्लड शुगर भी नार्मल करती हैं।

आइए जानते हैं अगर सर्दियों मेथी का सेवन किया जाए तो सेहत पर कैसा असर होता है।

पाचन में होता है सुधार: मेथी में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इसकी पत्तियां कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत देती हैं। नियमित रूप से मेथी का साग खाने से पेट हल्का रहता है और पाचन बेहतर होता है।

बालों के लिए फायदेमंद: मेथी में मौजूद पोटाशियम, आयरन और नाइट्रोजन बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं। यह साग बालों के झड़ने को कम करता है और उनके विकास में मदद करता है। मेथी के नियमित सेवन से बाल घने और चमकदार बनते हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद: मेथी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन को हेल्दी रखते हैं। यह फ्री रेडिकल्स को खत्म कर स्किन को ग्लोइंग और यंग बनाए रखने में मदद करता है।

वजन रहता है कंट्रोल में: मेथी में फाइबर की मात्रा अधिक और कैलोरी कम होती है। यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखती है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती। इससे वजन कंट्रोल में रखने में मदद मिलती है।

सनातन संस्कृति का धडकता हृदय हैं मंदिर

अकेलेपन के डर से लोग अपना रहे 'मंकी-बैरिंग', रिश्तों पर पड़ रहा भारी असर

रिश्तों की दुनिया में हर इंसान का अंदाज अलग होता है। कुछ लोग लंबे समय तक सिंगल रहते हैं, अपने आप को समय देते हैं और फिर नई शुरूआत करते हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो कभी खाली जगह नहीं छोड़ते। उनका पैटर्न साफ दिखता है, जैसे ही एक रिश्ता खत्म होता है, वो पहले से ही किसी नए रिश्ते में कदम रख चुके होते हैं। इस आदत को आजकल एक नया नाम 'मंकी-बैरिंग' दिया गया है।

मंकी-बैरिंग क्या है?: 'मंकी-बैरिंग' शब्द की जड़ें बंदरों से जुड़ी है। एक दिलचस्प तुलना में, जैसे बंदर एक डाली को तब तक नहीं छोड़ता जब तक दूसरी डाली को मजबूती से पकड़ न ले, वैसे ही कुछ लोग पुराने रिश्ते को तब तक नहीं छोड़ते जब तक नया रिश्ता उनके हाथ में पक्का न हो जाए। यानी ब्रेकअप आधिकारिक रूप से भले बाद में हो, पर नया रिश्ता पहले ही शुरू हो चुका होता है।

लोग ऐसा क्यों करते हैं? : ऐसा करने के पीछे सबसे बड़ा कारण अकेले रहने का डर है। किसी का साथ छूटने के बाद खालीपन और नई शुरूआत की घबराहट कई लोगों को असहज कर देती है। अकेलेपन का डर: कुछ लोगों को सिंगल रहना बहुत मुश्किल लगता है।

नई शुरूआत की झिझक: पुराने रिश्ते के बाद जिंदगी को फिर से सेट करने का विचार भारी पड़ता है।

डा. रविंद्र सिंह भड़वाल

हम मंदिर क्यों जाते हैं? अगर इस प्रश्न का उत्तर मिलता है, प्रार्थना करने के लिए, भगवान से कुछ मांगने के लिए मंदिर जाते हैं, तो इसे मंदिर के महत्त्व की एक अत्यंत सीमित एवं संकीर्ण अभिव्यक्ति कहा जाएगा। कुछ हद तक मंदिर जाने का प्रयोजन मनोकामनाओं की पूर्ति हो भी सकता है, मगर मंदिर का महत्त्व इससे कहीं अधिक है। क्या आप सचमुच सोचते हैं कि इस विशाल ब्रह्मांड को चलाने वाली महान शक्ति आपकी छोटी-छोटी जरूरतों का हिसाब रखने के लिए बैठी है? मंदिर केवल भिक्षा मांगने का स्थान नहीं है। यदि मंदिर को केवल अपनी कामनाओं की टोकरी भरवाने तक सीमित कर दिया है, तो आपने सनातन जीवन

के सबसे महत्त्वपूर्ण आयाम को दरकिनार कर दिया है। मंदिर तो समाज का धडकता हुआ हृदय रहे हैं। हाल ही में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों ने अपने एक निर्णय में मंदिरों के महत्त्व को इन्हीं शब्दों में रेखांकित करने का एक शुभ प्रयास किया था। दरअसल, जब हमने मंदिर बनाए, तो हमने इनके निर्माण में केवल ईंट, पत्थर और चूने का उपयोग नहीं किया। हमने इनके निर्माण में विज्ञान, ज्यामिति और ऊर्जा का निवेश किया। मंदिर एक विशेष रूप से चार्ज की गई जगह होती है। यह एक ऐसा स्थान है, जहां ब्रह्मांडीय ऊर्जा को एक विशेष रूप में, एक विशेष आवृत्ति में स्थिर किया जाता है। मंदिर की स्थापना एक जीवंत प्रक्रिया है।

इसे प्राण प्रतिष्ठा कहा जाता है, जिसका अर्थ है ह्यजीवन शक्ति का आरोपणह्न। एक मंदिर केवल तभी एक मंदिर बनता है, जब उसमें जीवन का संचार किया जाता है, जब वह एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बन जाता है। यह एक ऐसी जगह है जहां ऊर्जा घनत्व इतना अधिक होता है कि यदि आप उसमें थोड़ी देर बैठते हैं, तो आपकी अपनी ऊर्जा को एक अलग आयाम मिल जाता है। मंदिरों ने सदियों तक भारतीय जीवन को न केवल आध्यात्मिक रूप से, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी संगठित किया है। मंदिर सामुदायिक जीवन का केंद्र थे। अगर कोई बच्चा पढ़ना सीख रहा है, तो वह मंदिर के परिसर में सीखता था। अगर किसी को भोजन की आवश्यकता है, तो अन्नदान मंदिर से होता था। हमारी शास्त्रीय संगीत, नृत्य और लोक कलाएं मंदिरों के प्रांगण में ही संरक्षित और पल्लवित हुईं। कल्पना कीजिए नटराज की मूर्ति के सामने भरतनाट्यम का प्रदर्शन करना या मंदिर की शांत दीवारों के बीच बैठकर ध्रुपद का अभ्यास करना। यह परमात्मा को अर्पित की गई एक भावपूर्ण कलात्मक अभिव्यक्ति थी। मंदिर एक विश्वविद्यालय, एक बैंक, एक अन्न क्षेत्र, एक अस्पताल और सबसे ऊपर, संस्कृति के संरक्षक थे। हमारी विरासत, हमारी परंपराएं और ज्ञान का भंडार मंदिरों की दीवारों में सुरक्षित रखा गया था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हिंदू संस्कृति की धारा बिना किसी अवरोध के बहती रहे।

मानव अस्तित्व का प्रत्येक आधार मंदिर के साथ जुड़ता है। मंदिर आपको केवल ईश्वर से नहीं जोड़ता, यह आपको जीवन की समग्रता से जोड़ता है। यह आपको याद दिलाता है कि आप केवल शरीर और मन का एक संग्रह नहीं हैं, आप एक ऊर्जा हैं, इस ब्रह्मांड का एक सूक्ष्म हिस्सा हैं। जब आप एक चार्ज्ड मंदिर में प्रवेश करते हैं, तो यह आपकी ऊर्जा को उस आयाम तक ले जाने का प्रयास करता है जहां से आपको जीवन का अनुभव होता है। इसलिए हमारा किसी मंदिर में जाना तभी सार्थक होगा, जब हम मंदिर के महत्त्व में निहित मूल भावना को आत्मसात्त करके दर्शन हेतु जाएं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

झाड़ग्राम मेमू ट्रेन 14, 16 व 18 को नहीं जाएगी धनबाद

जमशेदपुर : झाड़ग्राम-धनबाद मेमू ट्रेन 14, 16 एवं 18 जनवरी को बोकारो तक ही चलेगी। आद्रा मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से यह आदेश हुआ है। इससे टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस का मार्ग 14 और 17 जनवरी को चांडिल से बदलेगा। वहीं, टाटानगर-आसनसोल मेमू ट्रेन मंगलवार को रद्द है जबकि, 17 जनवरी को टाटानगर-आसनसोल की दो मेमू ट्रेनें आद्रा स्टेशन से ही अपडाउन करेंगी। इससे झारखंड और पं. बंगाल के सैकड़ों यात्रियों को आवागमन में दिक्कत होगी।

झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन पर सिंगनल एवं टेलिकॉम आफिस में लगी आग

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर रेल मंडल के झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन पर स्थित सिंगनल एवं टेलिकॉम आफिस में मंगलवार को दिन के करीब 11 बजे आग लगी गई। जिस कारण सिंगनल एवं टेलिकॉम आफिस में लगे सभी केबल जल गये।वहीं पूरे झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन पर धुआँ धुआँ फैल गया। आनन फानन में फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू करने जुट गई है। वहीं इस आगजनी में सिंगनल एवं टेलिकॉम सेवा ठप हो गई है। जिस कारण हावड़ा मुंबई मुख्य मार्ग पर 11 बजे से ट्रेनों का परिचालन ठप कर दिया है।

केरूकोचा साप्ताहिक हाट में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

चाकुलिया : चाकुलिया प्रखंड क्षेत्र में मकर संक्रांति को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को केरूकोचा की साप्ताहिक हाट में खरीदारी के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। हाट में कपड़ों की दुकानों पर ग्राहकों की खासी भीड़ रही । जहां लोग पर्व के लिए नए वस्त्रों की खरीदारी करते दिखे।कपड़ों के साथ-साथ अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानें भी पूरी तरह सजी हुई थीं। पारंपरिक रीति-रिवाजों को निभाने के लिए ग्रामीणों ने मिट्टी के बर्तनों की भी जमकर खरीदारी की। टुसू प्रतिमाओं की भी लोगों ने खरीदी की।

कोकपाड़ा स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

चाकुलिया : चाकुलिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोकपाड़ा रेलवे स्टेशन पर किसी ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। यह घटना विगत देर शाम की है। महिला की पहचान प्रखंड की कालियाम पंचायत के बुरूजबनी गांव की हीरामणी मुर्मू 55 के रूप में हुई है। मृतका की पहचान मृतका के भतीजा लक्ष्मण हांसदा ने की। सूचना पाकर मंगलवार की सुबह जीआरपी के पदाधिकारी और जवान पहुंचे। लाश का पंचनामा तैयार कर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक हीरामणी मुर्मू दतवन और साल का पत्ता बेचने का काम करती थी। पत्ता और दतवन लेकर ट्रेन से जमशेदपुर जाती थी।

सहायक शिक्षक स्वपन परिहारी का निधन विधायक समीर मोहंती ने जताया शोक

चाकुलिया : चाकुलिया प्रखंड की लोधाशोली पंचायत अंतर्गत आमलागोड़ा गांव निवासी झामुमो के वरिष्ठ नेता गोपन परिहारी के बड़े भाई एवं सहायक शिक्षक स्वपन परिहारी के आकस्मिक निधन हो गया। इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक समीर कुमार मोहंती उनके आवास पहुंचे। विधायक ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष शिवचरण हांसदा, नगर अध्यक्ष मो. गुलाब, राजा बारीक, सुजीत दास, गौतम दास, मिथुन कर, राजू कर्मकार, हरो नायक, तरुण महतो एवं विश्वजीत भोल सहित कई पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेलवे गार्ड के घर मे आग लगने से लाखों का नुकसान

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर एलआईसी ऑफिस के पीछे बनारसी पैलेस में शॉर्ट सर्किट से लगी आग लगने से लाखों को रुपए का नुक्सान। दमकल से आग बुझाया जा रहा है। चक्रधरपुर पुलिस तथा दमकल के कर्मी के अलावा काफी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ी हुई है। जानकारी के अनुसार चक्रधारपुर रेल मण्डल मे कार्यरत रेलवे गार्ड तपन चक्रवर्ती के बंद घर में अचानक आग लग गया। आग लगने के बाद आसपास के लोगों ने देखा और चक्रधरपुर पुलिस को सूचना दिया। इसके बाद दमकल गाड़ी पहुंचकर आग बुझाने के कार्य में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि तपन चक्रवर्ती अपने पूरे परिवार के साथ किसी काम से रांची गए हुए हैं।
घर में तालाब बंद था। उन्होंने घर के में ही एक बनारसी पैलेस नामक दुकान भी संचालित करते थे। इसमें लाखों रुपए का कीमती साड़ी बिक्री के लिए रखा हुआ था। साड़ी के साथ-साथ उनके घर के सभी सामग्री जलकर खाक हो गई है।

जेल चौक पर 30 को लगेगा कुष्ठ जांच शिविर

जमशेदपुर : साकची जेल चौक कार्यालय में 30 जनवरी को कुष्ठ दिवस पर जांच शिविर लगेगा। वहीं, कुष्ठ ये बचाव और स्वच्छता पर स्कूली बच्चों की लेख और ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिला कुष्ठ परामर्शी पदाधिकारी डॉ. राजीव लोचन महतो ने कहा कि, लगातार जांच शिविर लगाने से कुष्ठ के नए मरीज मिल रहे हैं लेकिन पुराने मरीजों के स्वस्थ होने का प्रतिशत भी बढ़ा है। इससे स्लम बस्तियों में शिविर लगाने के साथ कुष्ठ रोग से के चिह्नित मरीजों को दवा के साथ अन्य सुविधा सरकार मुहैया करा रही है।

धूमधाम से किया गया बाउंडी पूजा

बहरागोड़ा : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में मंगलवार को बाउंडी पर्व को लेकर ग्राम देवती थान में विशेष पूजा अर्चना की गई। खंडामौदा गांव में स्थित ग्राम देवती माँ माटिखाल बूढ़ी, माँ मंगला मंदिर,मालुआ स्थित पाट थान समेत कोई गांव के ग्राम देवती थान में ब्रतियों द्वारा पूजा कराई गई। इधर खंडामौदा गांव के ग्राम देवती माँ माटीखाल बूढ़ी थान में बाउंडी को लेकर गांव की सुख समृद्धि के लिए ग्राम देवती माँ माटीखाल बूढ़ी की पूजा की गई। उक्त पूजा में कई मौजा के लोग पूजा कराने के लिए शामिल हुए। जबकी माँ माटीखाल बूढ़ी की थान में देहरी (पुजारी) शम्भू देहुरी व धर्मा देहरी के सुद्ध मंत्रच्चार से पूजा की गई।
गांव की सुख समृद्धि के लिए हवन भी किया गया। पूजा के बाद कुछ लोगों ने माँ के समक्ष बकरे,मुर्गा,बतख,कबूतर की बलि चढ़ाया। बकरी बलि देने आये लोगों ने कहा कि वे माँ से मन्नत मांगे थे और मन्नत पूरी होने पर माँ के समक्ष बलि चढ़ाया गया। देहरी (पुजारी) ने बताया कि गांव में किसी प्रकार की विपत्ति उत्पन्न होने पर यहां के ग्रामीण माँ माटीखाल बूढ़ी की पूजा करते हैं। इससे गांव की सुख समृद्धि बनी रहती है। उक्त जगह के पूजा में कई मौजा के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है।

डीपा टोली में पानी-पेंशन-आवास संकट पर भड़के ग्रामीण, आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता

सिमडेगा : पाकर टांड़ प्रखंड के गोंड जनजाति बहुल सिकरियाटांड पंचायत अंतर्गत डीपा टोली ग्राम में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली और आदिवासी अधिकारों के हनन को लेकर बलदेव प्रधान की अध्यक्षता में ग्रामीणों की अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में भाजपा नेता व पूर्व प्रत्याशी, सामाजिक कार्यकर्ता श्रद्धानंद बेसरा ने गांव की जमीनी हकीकत का जायजा लिया और सरकार व प्रशासन की उदासीनता पर तीखा प्रहार किया।
बेसरा ने कहा कि सिमडेगा जिला पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में शामिल है, जहां आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन की संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित की गई है, लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सादा पट्टा के जरिए आदिवासियों की जमीन का अवैध हस्तांतरण हो रहा है, जिसकी सूचना एसडीओ सिमडेगा को भी दी जा चुकी है। संविधान लागू हुए 76 वर्ष बीत जाने के बावजूद आदिवासी संरक्षण और विकास के प्रावधान आज भी कागजों में सिमटकर रह गए हैं।

सिमडेगा मुख्यालय से मात्र 7 किलोमीटर दूर स्थित डीपा टोली, टांगर टोली, बागटाड़ और नवा टोली गांवों में लगभग 108 अनुसूचित जनजाति परिवार निवास करते हैं, लेकिन जल नल योजना के तहत घरों में पानी की आपूर्ति करीब एक साल से ठप पड़ी है। सरकारी स्कूल के आसपास कच्चे रास्तों के कारण बच्चों और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। 108 परिवारों में से सिर्फ 15 को प्रधानमंत्री आवास और 13 को अबुआ आवास का लाभ मिला है, जबकि वृद्धा और विधवा पेंशन छह महीनों से लंबित है। मैया योजना भी चंद परिवारों तक सीमित रह गई है।
ग्रामीणों ने बताया कि धान कटाई के बाद रोजगार के अभाव में बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। हालात यह हैं कि 108 परिवारों में से 37 लोग हाल ही में रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों को पलायन कर चुके हैं। बेसरा ने कहा कि अब समय आ गया है कि अपने संवैधानिक अधिकारों और क्षेत्र के विकास के लिए सरकार व जिला प्रशासन पर दबाव बनाया जाए, जरूरत पड़ी तो आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जाएगा।
बैठक के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए श्रद्धानंद बेसरा ने गांव में कटहल और लीची के पौधे लगाए और ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक फलदार पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाएं।
गोंड अनुसूचित जनजाति उत्थान परिषद सिमडेगा के जिलाध्यक्ष बजरू मांझी ने दो टूक कहा कि समाज के नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ समाज स्तर पर कार्रवाई की जाएगी और भटके हुए लोगों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई तो संवैधानिक अधिकारों और जमीन की रक्षा के लिए व्यापक आंदोलन किया जाएगा।
बैठक में मोहन प्रधान, कमल गोंड, कोमल गोंड, जयंत बेसरा, अनिल प्रधान, महेंद्र बेसरा, मनोज मांझी, संदीप नायक सहित शिरोमणि देवी, कौशल्या देवी, अनीता देवी, बालिका देवी, सुन्दरवती देवी, रुक्मणि देवी समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

होमियोपैथी चिकित्सक डॉ सरजीत डे वार्ड संख्या 9 से वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ेंगे

बिनय मिश्रा

झारखंड में होमियोपैथी चिकित्सक की बेहतर चिकित्सा की बात चलती है तो पश्चिम सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर निवासी डॉ सरजीत डे का नाम स्वयंः ही जुबां पर आ जाता है इसका मुख्य कारण है कि लोगों के साथ उनका मैत्रीपूर्ण व्यवहार सरल और सहजता के साथ बेहतर इलाज ने उन्हें काफी बेहतर और लोकप्रिय बनाया है। चाहे कोरोना काल हो या फिर वर्तमान मौसमी बिमारी या फिर अन्य लोगों का बेहतर इलाज इनकी विशेषता है।नगर निकाय चुनाव 2026 में वार्ड संख्या 9 से वार्ड पार्षद के चुनाव लड़ने के लिए इनपर दबाव है और जन अपेक्षा के अनुरूप यह। संभावना व्यक्त की जा रही है कि श्री डे जो युवाओं के साथ साथ सभी वर्ग के लोगों में काफी जनप्रिय और लोकप्रिय हैं इसलिए यह प्रबल संभावना बन गई है कि वे वार्ड संख्या 9 अनारक्षित से चुनाव लड़ेंगे।इस आशय से वार्ड संख्या 9 में जबरदस्त उत्साह और उमंग देखा जा रहा है।

बोकारो पुलिस को मिली सफलता, लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 6 गिरफ्तार

संवाददाता

बोकारो : पुलिस ने 6 साइबर ठगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसमें साइबर ठग गिरोह का सरगना प्रिंस कुमार भी शामिल है। दरअसल, प्रतिबिंब ऐप से जानकारी मिलने के बाद एसपी द्वारा अपराधियों को पकड़ने के लिए एक टीम गठित की गई थी। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।पुलिस के मुताबिक, सरगना प्रिंस कुमार के खिलाफ बिहार के विभिन्न थानों में चार अलग अलग मामले दर्ज हैं। पुलिस ने जमशेदपुर से मिथिलेश कुमार झा, शेखपुरा से रोहित आर्य, नवादा से टिंकू कुमार, विकास रविदास और नालंदा से गुड्डू कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 13 एंड्रॉयड और कीपैड मोबाइल, 20 हजार नकद, विभिन्न कंपनियों के सिम, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और ठगी का हिसाब रखने वाली एक किताब बरामद की है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि यह सफलता प्रतिबिंब ऐप के माध्यम से मिली है। यह गिरोह लोन दिलाने और म्यूचुअल फंड में जल्दी पैसे दोगुना करने के नाम पर लोगों को ठगने का काम करता था। इन लोगों का और भी नेटवर्क है, जिसकी जांच की जा रही है।

बेतला नेशनल पार्क में दिखा बाघ

महिला गाइड के नेतृत्व में जंगल सफारी कर रहे थे पर्यटक

संवाददाता

पलामू: बेतला नेशनल पार्क के इलाके में एक बार फिर से पर्यटकों ने बाघ को देखा है। पर्यटकों का नेतृत्व एक महिला गाइड कर रही थी। महिला गार्ड के नेतृत्व में पहली बार पर्यटकों की टीम ने बाघ को देखा है। पर्यटकों ने बाघ का फोटो एवं वीडियो भी लिया है। जल स्रोत के किनारे बाघ आराम कर रहा था, इसी क्रम में पर्यटक वहां पहुंचे थे। बेतला नेशनल पार्क के इलाके में बाघ दिखाने के बाद हाई अलर्ट जारी किया गया है। बाघ के मूवमेंट

वाले इलाके में वन कर्मियों की तैनाती की गई है, जबकि कैमरा को भी लगाया गया है।सोमवार की सुबह रांची के रहने वाले मेहताब अहमद और जैनब फलक बेतला नेशनल पार्क के इलाके में जंगल सफारी कर रहे थे। दोनों को गाइड सोनम कुमारी जंगल सफारी करवा रही थी। इसी दौरान गाड़ी एक जल स्रोत के बगल में पहुंची थी, जहां पर्यटकों ने झाड़ी के बीच में एक बाघ को आराम करते हुए देखा। पिछले दो वर्ष के दौरान यह तीसरा मौका है जब किसी पर्यटक ने बेतला नेशनल पार्क के इलाके में बाघ को देखा है। पलामू टाइगर रिजर्व 1147।5 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। मात्र 20 वर्ग किलोमीटर में ही जंगल सफारी एवं पर्यटन गतिविधि बेतला नेशनल पार्क के इलाके में संचालित होती है। पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना ने बताया कि सुबह की सफारी के दौरान पर्यटकों ने बाघ को देखा है। पर्यटकों ने बाघ का फोटो एवं वीडियो भी लिया है। बाघ के मूवमेंट वाले इलाके में अलर्ट जारी किया गया है एवं निगरानी रखी जा रही है। बाघ को आराम करते हुए देखा गया था गाइड एवं ड्राइवर के द्वारा पर्यटकों को प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई थी।

लोगों के बीच किया गया कंबल वितरण

साहिबगंज : जिले में पड़ रही भीषण शीत लहर और बढ़ती कनकनी ठंड मे लोग अपने घरो मे परिवार और बच्चो के साथ रजाई मे आराम कर रहे होते है।तो वही पूर्व वार्ड पार्षद सह समाजसेवी भाजपा नेता प्रेम लाल मंडल उर्फ. मंटा मंडल अपने समर्थको के साथ झरना कॉलोनी,मजहर टोला,धंगडसी,महिला कॉलेज,सदर हॉस्पिटल,पटेल चौक,हटिया,रेलवे स्टेशन परिसर एवं आस पास के क्षेत्रों मे घूम-घूम कर गरीब,निःसहाय एवं उपेक्षित लोगों के बीच सैंकड़ो कम्बल का वितरण किया।इस मौके पर समाजसेवी प्रेमलाल उर्फ मंटा मंडल ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है,ऐसा कार्य करने से आत्मा को संतुष्टि और असीम ऊर्जा कि अनुभूती प्राप्त होती है।उन्होंने कहा कि भगवान मुझे और शक्ति दे,जिससे मैं इसे और बड़े पैमाने पर गरीब असहाय लोगो कि सेवा कर सकूँ।श्री मंडल ने कहा कि मानवता इंसानियत के लिए हम सभी लोगों को मिलजुल कर गरीब,बीमार और जरूरतमंद लोगों के लिए इस तरह का कार्य करना चाहिए।उन्होंने कहा कि कंबल वितरण अपने निजी खर्च से किया हूँ।और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्य लगातार किया जायेगा।

विवेकानंद जयंती पर समारोह का आयोजन

साहिबगंजः विद्या भारती विद्यालय,जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहिबगंज के वंदना कक्ष में पूर्व छात्र परिषद द्वारा विवेकानंद जयंती समारोह का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम विद्यालय के पूर्व छात्र व छात्रा के द्वारा स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया गया।जयंती समारोह में साहिबगंज विभाग प्रमुख रमेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सिस्टर कॉर्नोलिया की धार्मिक यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोतः अनिल कंडुलना

संवाददाता

सिमडेगा : ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत जामपानी पल्ली स्थित उरसुलाइन कान्वेंट में सिस्टर कोरनेलिया डूंग डूंग द्वारा मानव सेवा एवं धार्मिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती समारोह श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा कान्वेंट परिसर आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर नजर आया। दूर-दराज से आए फादर, सिस्टर एवं खीस्त विश्वासी बड़ी संख्या में समारोह में शामिल हुए।
रजत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित धन्यवादी मिस्सा के मुख्य अनुष्ठाता सिमडेगा धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप विनसेंट बरवा थे। उनके साथ सहयोगी अनुष्ठाता के रूप में जामपानी पल्ली के पुरोहित सह डीन फादर गैब्रियल डुंगडुंग तथा सहायक फादर संदीप कुमार खेस उपस्थित रहे। मिस्सा के दौरान सिस्टर कोरनेलिया डूंग डूंग के समर्पित जीवन, त्याग, सेवा और अटूट विश्वास पर

विस्तार से प्रकाश डाला गया तथा उनके कार्यों को समाज के लिए अनुकरणीय बताया गया।
समारोह को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना ने कहा कि सिस्टर कोरनेलिया डूंग डूंग की 25 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि सिस्टर ने अपने जीवन को शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के लिए समर्पित कर समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सेवा पहुंचाने का कार्य किया है। उनका जीवन निःस्वार्थ भाव, अनुशासन और मानवता के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक है। ऐसे व्यक्तित्व समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं।
धन्यवादी मिस्सा के उपरांत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों, सिस्टरों एवं स्थानीय कलाकारों ने भक्ति गीत, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सिस्टर कोरनेलिया के सेवाभाव और योगदान को सम्मानित किया। कार्यक्रम में झामुमो केंद्रीय सदस्य नोवास केरकेट्टा, जिला उपाध्यक्ष रितेश बड़ाइक, हेड प्रचारक विलियम केरकेट्टा सहित बड़ी संख्या में फादर, सिस्टर एवं खीस्त विश्वासी उपस्थित रहे। समारोह सौहार्द, भाईचारे और सेवा भावना के संदेश के साथ संपन्न हुआ।